दैनिक
नर्मदा न्यूज
TO THE POINT
RNI.No.MPHIN/25/A3054
www.narmadanewsttp.com

सुविचार

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

पेज-7

● वर्ष-1, ● अंक- 286 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, गुरुवार 09 अप्रैल, 2026 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

संक्षिप्त समाचार

न ईएमआई बढ़ेगी न ही महंगे होंगे लोन

● आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलाव ● ब्याज दर 5.25 फीसदी पर बरकरार रखी, दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी के फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025

में ब्याज दर 0.25 घटाकर 5.25 फीसदी की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, महंगाई में उछाल का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश से फल, सब्जियों और अनाज की कीमतें बढ़ने की आशंका है। ईरान-इजरायल जंग से सप्लाई चैन पर असर पड़ रहा है। आरबीआई अभी रुको और देखो की नीति अपना रहा है। ग्लोबल मार्केट में मची उथल-पुथल को देखते हुए आरबीआई जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहता। बैंक अभी दुनिया भर के आर्थिक हालातों पर नजर रखना चाहता है। इसी वजह से ब्याज दर में बदलाव नहीं किया गया। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

● राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को निधन हो गया। 93 साल की उम्र में किदवई ने सुबह चार बजे अस्पताल में आखिरी सांस ली। नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। मोहसिन किदवई के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी शोक जताया है। राहुल गांधी ने सोशल साइट एक्स पर लिखा है, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद मोहसिना किदवई जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। वे कांग्रेस पार्टी की एक वरिष्ठ और निष्ठावान नेता थीं, जिनका संपूर्ण जीवन जनसेवा का उदाहरण रहा है। अपनी सादगी, सौम्यता और गरिमामय राजनीतिक सफलता से उन्होंने देश की कई पीढ़ियों की महिलाओं को प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस पार्टी की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मोहसिना किदवई जी के निधन से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिन्होंने अपने जीवन के छह दशकों से अधिक समय राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। लोकसभा और राज्यसभा में दीर्घकालिक सांसद और कई वर्षों तक कांग्रेस कार्यसमिति की एक सम्मानित सदस्य के रूप में, वे पार्टी के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में भी मार्गदर्शक बनी रहीं। उनका निधन कांग्रेस पार्टी और राष्ट्र के लिए एक गहरा नुकसान है। परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले।

अमरीका-ईरान के बीच युद्ध रोकने पर बन गई बात

● अमेरिका और ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर, 40वें दिन रुकी जंग ● ट्रम्प बोले-पाक पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल के बाद संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया। समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी।

ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है। दुनिया की बड़ी शिपिंग कंपनी मर्स्क ने कहा है कि सीजफायर से कुछ राहत जरूर मिल सकती है, खासकर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही को लेकर। हालांकि कंपनी ने साफ किया कि अभी हालात पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं और वह किसी भी बड़े बदलाव से पहले स्थिति पर नजर बनाए रखेगी।

भारत ने यूएस-ईरान सीजफायर का स्वागत किया

भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही इस संघर्ष को खत्म किया जा सकता है। सरकार ने कहा कि इस जंग से लोगों को भारी पीड़ा झेलनी पड़ी है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क भी प्रभावित हुए हैं। भारत ने उम्मीद जताई कि होर्मुज स्ट्रेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और समुद्री आवाजाही बिना किसी बाधा के जारी रहेगी।

अमेरिका के फैसले से सदमे में नेतन्याहू! घर में उठ रहे सवाल

● ईरान से युद्धविराम कर चलते बने ट्रंप अब इजरायल चुकाएगा कीमत

तेल अवीव (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम कर जंग से बाहर निकल आए हैं जबकि सहयोगी इजरायल युद्ध के मैदान से उन्हें हैरान परेशान देख रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जीत का ढिंढोरा पीट दिया है जबकि हकीकत ये है कि ईरान ने अमेरिका की एक भी शर्त नहीं मानी। उल्टा होर्मुज स्ट्रेट पर अब तेहरान का कंट्रोल भी हो चुका है। इजरायल में सदमा है। विपक्षी नेता ने नेतन्याहू पर नाकामी के आरोप लगाए हैं। इजरायली अखबार देश की सरकार से कठिन सवाल पूछ रहे हैं। अखबारों में पूछा गया है कि क्या वाकई ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोल रहा है क्योंकि ईरान ने तो आधिकारिक बयान में जहाजों के गुजरने के लिए शर्तें लगा दी हैं। बिना ईरान सेना की इजाजत के कोई भी जहाज होर्मुज से निकल नहीं सकते। युद्धविराम होने के बाद भी ईरान की तरफ से मध्य इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की गई। इजरायल की इंटेलिजेंस कम्युनिटी को पहले से ही अंदाजा था कि अगर सीजफायर होता है तो इस तरह के हमले हो सकते हैं। ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठन संदेश दे रहे हैं कि वो जीत चुके हैं और इजरायल में पूछा जा रहा है कि युद्ध से क्या हासिल हुआ है। ईरान के पास जो 450 किलो संवर्धित यूरेनियम है वो कहां हैं? क्या ईरान ने लिखकर दिया है कि वो भविष्य में परमाणु बम नहीं बनाएगा? इन सवालों का जवाब है नहीं। ईरान की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने न्यूज एजेंसियों के जरिए एक 10-सूत्रीय योजना जारी की जिसे वॉशिंगटन को सौंपा गया है।

कोई कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

● सरकार बोली-आप एक्सपर्ट नहीं, यह फैसला विधायिका करेगी ● कोर्ट बोला- हमें रिव्यू का पूरा अधिकार, भेदभाव का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज

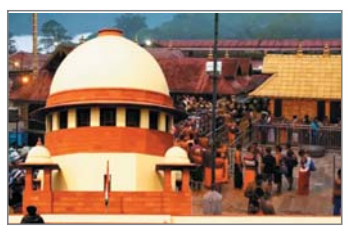

नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है कि वह यह तय कर सके कि अंधविश्वास क्या है। उसके बाद उस पर कानून बनाना या कार्रवाई करना विधानमंडल (संसद-विधानसभा) का काम हो सकता है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि अंतिम फैसला सिर्फ विधानमंडल ही करेगा। धर्म के मामलों में तर्क उसी तरह लागू नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में है। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे। सीजेआई- भले ही आप सांस्कृतिक या सामाजिक मानदंडों को नजरअंदाज कर दें, लेकिन इस प्रावधान की जांच करते समय इन सिद्धांतों को आधार न बनाएं। ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई बात महिलाओं के लिए अपराध हो और पुरुषों के लिए अपराध न हो?

दीवाली से पहले एमपी में यूसीसी लागू करने की तैयारी

● सीएम ने कैबिनेट बैठक में दिए संकेत, गोवा-उत्तराखंड मॉडल की स्टडी करेंगे

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. मोहन यादव सरकार मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की तैयारी कर रही है। मंगलवार को कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों से कहा कि यूसीसी का अध्ययन करें, इसे राज्य में लागू करना है। इस संकेत के बाद गृह विभाग में प्रक्रिया तेज हो गई है, क्योंकि यूसीसी बिल तैयार करने की जिम्मेदारी इसी विभाग की है। सूत्रों के अनुसार, जल्द ही राज्य स्तर पर एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई जाएगी। इसी साल दिवाली से पहले प्रदेश में यूसीसी लागू

किया जा सकता है। सूत्र बताते हैं कि समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने से पहले गोवा और उत्तराखंड में कुछ समय पहले लागू किए गए यूसीसी का अध्ययन किया जा रहा है। जिससे मध्य प्रदेश के लिए व्यावहारिक और संतुलित मॉडल तैयार किया जा सके। ड्राफ्ट तैयार होते ही इसे कैबिनेट में पेश किया जाएगा। सरकार इसे राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से संवेदनशील मानते हुए सही समय पर कैबिनेट में लाने की रणनीति बना रही है। कमेटी बनने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

यूसीसी लागू करने में सामाजिक संतुलन चुनौती

जानकारों का कहना है कि एमपी में अलग प्रकार की सामाजिक व्यवस्था है, इसमें आदिवासी समुदायों की परंपराएं भी शामिल हैं। यही यूसीसी को लागू कराने में बड़ी चुनौती बन सकती है। 230 विधानसभा सीटों वाले एमपी में 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहती है। देश में उत्तराखंड पहला राज्य है, जहां यूसीसी लागू किया गया।

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटना के बाद अब शांति

अधिकारियों ने कहा-तनाव है लेकिन माहौल ठीक है

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हुई हिंसा की ताजा घटना पर अधिकारियों ने बुधवार को ताजा अपडेट दिए। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार बिष्णुपुर में हुए बम हमले में दो बच्चों की मौत के बाद मणिपुर के पांच घाटी जिलों में बुधवार को स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि इलाके में कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर रोक और भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके। बता दें कि राज्य के बिष्णुपुर में एक दिन पहले हुए बम हमले के बाद हिंसा भड़क गई थी। इस संबंध में अधिकारी ने बताया कि हिंसा के बाद से ही इंफाल ईस्ट और वेस्ट, बिष्णुपुर, थौबल और काकचिंग जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया, इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं और भारी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई जो अब तक जारी है।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार को तड़के मोइरांग ट्रोंग्लाओबी में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा फेंका गया बम एक घर पर गिरा, जिससे घर में सो रहे पांच वर्षीय लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई तथा उनकी मां घायल हो गईं।

डीपीआई मुख्यालय पर प्रदर्शन

राजधानी में टीईटी आदेश के खिलाफ शिक्षकों का घेराव

● परीक्षा रद्द करने की मांग, प्रदेशभर में सौंपे जा रहे ज्ञापन

भोपाल। भोपाल में टीईटी अनिवार्यता के आदेश के विरोध में शिक्षक संगठनों ने बुधवार को एकजुट होकर लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) मुख्यालय का घेराव किया। नारेबाजी करते हुए शिक्षकों ने परीक्षा रद्द करने की मांग उठाई। साथ ही प्रदेशभर में जिला कलेक्ट्रेट कार्यालयों में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपे जा रहे हैं। शिक्षकों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के नाम पर जारी इस आदेश से हजारों पुराने शिक्षकों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। संगठनों ने सरकार से टीईटी आदेश को निरस्त करने और सुप्रीम कोर्ट में

पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग की है। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के सदस्य उपेंद्र कौशल ने बताया कि राजधानी में आसपास के जिलों से शिक्षक एकत्र होकर डीपीआई के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

डीपीआई भोपाल ने जारी किया था यह आदेश

हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) भोपाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में पांच वर्ष से अधिक समय बचा है, उन्हें अनिवार्य रूप से टीईटी परीक्षा पास करनी होगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित शिक्षकों को दो वर्ष के भीतर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, अन्यथा उनकी सेवा समाप्त की जा सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर लिया गया है, लेकिन इस आदेश से शिक्षकों में व्यापक असंतोष देखने को मिल रहा है। शिक्षक संगठनों का कहना है कि आरटीई एक्ट 2009 में लागू हुआ और टीईटी 2011 से अनिवार्य किया गया, जबकि हजारों शिक्षक इससे पहले नियुक्त हो चुके थे। ऐसे में अब उन पर टीईटी लागू करना गलत है। शिक्षकों का आरोप है कि यह रेट्रोस्पेक्टिव निर्णय है, यानी पुराने मामलों पर नए नियम लागू किए जा रहे हैं।

राजस्थान की रिफाइनरी से नहीं निकलेगा कचरा, सबसे आधुनिक भी

● पीएम 21 को करेंगे इसका उद्घाटन, 79 हजार करोड़ में बनी

जयपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के लिए रिफाइनरी के अलग मायने हैं। प्रोजेक्ट से बाड़मेर-जैसलमेर में इंडस्ट्रियल क्लस्टर विकसित होगा। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स व सहायक उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। जनवरी से ही रिफाइनरी के पहले चरण के ट्रायल रन (कच्चे तेल का प्रसंस्करण) की तैयारी शुरू कर दी गई थी। इसमें जल्द कमर्शियल उत्पादन शुरू हो जाएगा। मोदी 2 महीने में दूसरी बार राजस्थान आ रहे हैं। पीएमओ से मंजूरी मिलने के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने इस बात की जानकारी दी है।

सीआईआई मध्य प्रदेश द्वारा डॉ. सुचित्रा के. एला के साथ मेंबर्स मीट का आयोजन

भोपाल । भारतीय उद्योग परिसंघ (CII), मध्य प्रदेश द्वारा डॉ. सुचित्रा के. एला, वाइस प्रेसिडेंट, ष्ठढ्ढ एवं सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड के साथ एक मेंबर्स मीट का आयोजन सोमवार को किया गया। इस अवसर पर श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी, चेयरमैन, CII मध्य प्रदेश एवं निदेशक, आईसेक्ट लिमिटेड तथा श्री सौरभ सिंह मेहता, वाइस चेयरमैन, ष्ठढ्ढ मध्य प्रदेश एवं निदेशक, कृति न्यूट्रिएंट्स प्रा. लि., की गरिमामयी

उपस्थिति रही। इस सत्र में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उभरते आर्थिक रूझानों एवं उद्योग से जुड़े महत्त्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। अपने संबोधन में डॉ. एला ने मध्य प्रदेश को मध्य भारत में एक प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभरते हुए बताया, जो अपनी रणनीतिक स्थिति, विविध आर्थिक संरचना और निवेश अनुकूल नीतियों के कारण संभव हुआ है। उन्होंने बिजनेस रिफॉर्म्स एक्शन प्लान (BRAP 2024) में राज्य को प्राप्त टॉप अचीवर दर्जे को इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने राज्य के नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों, स्टार्टअप्स, एमएसएमई आधुनिकीकरण, इंडस्ट्री 4.0 अपनाने तथा आईटी एवं आईटीईएस के विस्तार पर भी प्रकाश डाला, जिसे मजबूत प्रतिभा आधार का सहयोग प्राप्त है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, विशेषकर पश्चिम एशिया संकट के संदर्भ में, डॉ. एला ने ष्ठढ्ढ के 12-सूत्रीय उद्योग एजेंडा को प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने उद्योगों से सप्लाई चेन को मजबूत करने, रणनीतिक भंडारण विकसित करने, ऊर्जा संक्रमण को गति देने, तकनीक आधारित समाधान अपनाने तथा एमएसएमई को बेहतर भुगतान व्यवस्था एवं सहयोग के माध्यम से समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने उद्योग को सहयोग प्रदान करने हेतु ष्ठढ्ढ द्वारा दिए गए प्रमुख नीतिगत सुझावों को भी साझा किया, जिनमें विवाद संबंधित इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (श्वष्टस्तर) का प्रस्ताव, एमएसएमई एवं निर्यातकों के लिए अस्थायी राहत उपाय, कार्यशील पूंजी की उपलब्धता बढ़ाना, रियायती ऋण सुविधा, तथा जीएसटी रिफंड एवं व्यापारिक देयों के शीघ्र निपटान जैसे कदम शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

4000 टन 'स्वदेशी फौलाद' से तैयार हुआ आईएनएस तारागिरी

नई दिल्ली, एजेंसी । इस्पात मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने नीलगिरी-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17) के चौथे स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस तारागिरी को भारतीय नौसेना में शामिल किए

जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस युद्धपोत को 03 अप्रैल, 2026 को नौसेना में शामिल किया गया। इस युद्धपोत का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है, जिसमें सेल द्वारा आपूर्ति किए गए लगभग 4,000 टन विशेष ग्रेड के स्टील प्लेटों की पूरी जरूरत का उपयोग किया गया है। इस विशेष इस्पात का उत्पादन सेल के बोकारो, भिलाई और राउरकेला स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्रों में किया गया है, जो कंपनी की उन्नत धातुकर्म क्षमताओं और निरंतर गुणवत्ता मानकों को प्रदर्शित करता है। प्रमुख रूप से अपनी भूमिका निभा रहा है और सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' मिशन को लगातार मजबूती प्रदान कर रहा है। कंपनी ने इससे पहले भी कई महत्वपूर्ण नौसैनिक प्लेटफार्मों के लिए स्पेशल स्टील की आपूर्ति की है।

जेल काट चुके दोषी की रिहाई के आदेश

दिल्ली एचसी ने सजा माफी की अर्जी बार-बार खारिज करने को बताया 'मनमाना'

नई दिल्ली, एजेंसी । दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को समय से पहले रिहा करने का निर्देश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि सजा समीक्षा बोर्ड (एसआरबी) द्वारा बार-बार सिर्फ अपराध की जघन्यता के आधार पर सजा

माफी की अर्जी खारिज करना मनमाना होने के साथ ही सुधारात्मक न्याय के तय सिद्धांतों के खिलाफ है। अपीलकर्ता कैदी रजब अली ने 22 साल से ज्यादा की जेल की सजा काटी है। कैदी को राहत देते हुए न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने रजब अली की अर्जी मंजूर कर ली। रजब अली ने उसकी समय से पहले रिहाई की अर्जी खारिज करने के एसआरबी के फैसले को चुनौती दी थी। रजब अली को 2005 में दुष्कर्म के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। 2016 में एसआरबी ने मुख्य प्रोबेशन अधिकारी की सिफारिश के बावजूद अपराध की प्रकृति, गंभीरता और पीड़ित के परिवार को होने वाले संभावित खतरे के आधार पर रजब अली की अर्जी खारिज कर दी थी। 2016 से 2024 तक एसआरबी ने दसवीं बार उसकी अर्जी अपराध की जघन्यता और गंभीरता और विकृति को देखते हुए खारिज कर दी थी। रजब अली ने बताया कि उसे तीन बार पैरोल पर और कोरोना महामारी के एक बार आपात पैरोल पर रिहा किया गया था और उसके बाद 2021 में फिर से पैरोल मिली थी।

पहली बार मोबाइल लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट हो या हाईकोर्ट, आमतौर पर अदालतों में मोबाइल फोन ले जाना अच्छा नहीं माना जाता है। इसको लेकर नियम भी बने हुए हैं। हालांकि, बीते सोमवार को देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत अपना मोबाइल लेकर सुप्रीम कोर्ट स्थित अपने कोर्ट रूम पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार ऐसा किया है। इसके पीछे कारण का खुलासा करते हुए सीजेआई ने कहा कि उन्होंने एसआईआर को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का संदेश देखना था, इसलिए मोबाइल फोन लेकर कोर्ट रूम आना पड़ा।

कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल के मैसेज को पढ़ते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने मुस्कुराते हुए कहा, 'दरअसल, मुझे अभी याद आया कि यह पहली बार है जब मैं अदालत में मोबाइल फोन लाया हूं। मैंने अपने जीवन में पहले कभी ऐसा नहीं किया।' इतना सुनते ही वहां मौजूद वकील भी मुस्कुरा दिए।

बंगाल एसआईआर पर क्या बोला सुप्रीम कोर्ट?

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से बाहर किये गए करीब 60 लाख लोगों के दावों और आपत्तियों का आज ही निस्तारण किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि

राज्य में केंद्रीय बल तैनात रहेंगे। शीर्ष अदालत ने एक महिला न्यायिक अधिकारी का अपने परिजनों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करने वाला वीडियो देखने के बाद कहा कि ''हाल के दिनों में जिस तरह की घटनाएं हुई हैं, उन्हें देखते हुए पश्चिम बंगाल से केंद्रीय बलों को वापस नहीं बुलाया जाएगा।''

कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान न्यायिक अधिकारियों को मिली कथित धमकियों और उनके कामकाज में बाधा डाले जाने पर चिंता व्यक्त की तथा कहा कि यदि सरकारी तंत्र सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहता है, तो वह उपयुक्त उपायों पर विचार करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा, ''यदि सरकारी तंत्र विफल होता है, तो हम सोचेंगे कि क्या किया जा सकता है।''

प्रधान न्यायाधीश ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से इन अधिकरणों के लिए समान प्रक्रियाएं तैयार करने के वास्ते पूर्व वरिष्ठ न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस बीच, कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिन्होंने एक अपीलीय अधिकरण की अध्यक्षता करने के लिए सहमति दी है।

नहीं रहीं मोहसिना किदवई: लंबे और बेदाग राजनीतिक योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके परिवार और दामाद रजी उर रहमान किदवई ने उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहसिना किदवई ने बुधवार तड़के नोएडा के मेट्रो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारतीय राजनीतिक गलियारे, विशेषकर कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है। एक प्रभावशाली राजनीतिक सफर मोहसिना किदवई भारतीय राजनीति और कांग्रेस पार्टी का एक बेहद सम्मानित और प्रमुख चेहरा रही हैं। उनका एक लंबा और शानदार राजनीतिक करियर रहा है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की रहने वाली मोहसिना किदवई ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया और कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। वे उत्तर प्रदेश के मेरठ निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोकसभा के लिए चुनी गई और सातवीं तथा आठवीं लोकसभा में भी इस सीट पर बनी रहीं। यानी ने तीन बार मेरठ से सांसद रहीं। इसके अलावा, उन्होंने 2004 से 2016 के बीच छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य के रूप में भी कार्य किया। अपने राजनीतिक जीवन में वे अलग-अलग समय पर संसद के निचले सदन (लोकसभा) और उच्च सदन (राज्यसभा) दोनों की सदस्य रहीं और जनता की आवाज को मजबूती से उठाया। सरकार के साथ-साथ पार्टी के भीतर भी उनका कद काफी बड़ा था। उन्होंने कांग्रेस की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था 'कांग्रेस कार्य समिति' और प्रत्याशियों का चयन करने वाली पार्टी की 'केंद्रीय चुनाव समिति' के सदस्य के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दी थीं। मोहसिना किदवई को कांग्रेस आलाकमान और विशेषकर गांधी परिवार के बेहद करीब और भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेषज्ञों की चेतावनी: कैंसर से निपटने के लिए भारत को चाहिए अपनी 'एविडेंस-बेस्ड' गाइडलाइंस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कैंसर के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि भारत को कैंसर के इलाज और जांच के लिए अपनी साक्ष्य-आधारित (एविडेंस बेस्ड) गाइडलाइंस विकसित करनी होंगी, ताकि देश की जरूरतों और जनसंख्या के अनुसार बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। यह बात विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आयोजित कैंसर जांच शिविर में दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआइ) के विशेषज्ञों ने कही। कहा गया कि केवल इलाज ही नहीं, बल्कि कैंसर की समय पर पहचान के लिए भी भारत को अपने स्क्रीनिंग प्रोटोकाल तैयार करने की आवश्यकता है। इससे बीमारी को आरंभिक चरण में ही पहचान कर मृत्यु दर को कम किया जा सकता है। इसी पहल के तहत विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआइ) ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में कैंसर जागरूकता, रोकथाम एवं स्क्रीनिंग (कैप्स) का पांचवां शिविर आयोजित किया। स्तन और सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क जांच की गई। साथ ही 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर मैमोग्राफी जांच भी उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा एचपीवी-डीएनए स्व-परीक्षण किट, विशेषज्ञ परामर्श, जागरूकता सत्र और स्तन स्व-परीक्षण का प्रशिक्षण भी दिया गया। विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम साथ मिलकर स्वास्थ्य के लिए विज्ञान के साथ खड़े हों हमें यह समझने का अवसर देती है कि भारत को अपने साक्ष्य-आधारित कैंसर उपचार और स्क्रीनिंग दिशानिर्देश विकसित करने होंगे।

दिल्ली में 'जहां है, जैसा है' के तहत 1511 अनधिकृत कॉलोनियां होंगी नियमित, 45 लाख नागरिकों को होगा फायदा

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की अनधिकृत कालोनियां अब नियमित होंगी। 20 वर्गमीटर तक की दुकानें पास होने के साथ मेट्रो व आरआरटीएस के 500 मीटर के दायरे में नियोजित तरीके से विकास कराए जाएंगे। केंद्र सरकार के इन फैसलों का दक्षिणी दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई दी है। साथ ही उन्होंने आग्रह किया है कि केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय से जुड़ी कई और मांगों का भी शीघ्र समाधान किया जाए। इस फैसले से दिल्ली के 45 लाख लोगों को सीधा फायदा होगा। बिधूड़ी ने कहा कि पीएम उदय योजना के अंतर्गत दिल्ली की 1,511 कालोनियों को ''जैसा है जहां है'' के आधार पर नियमित किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब 69 एफ्लुएंट कालोनियों के बारे में भी सरकार शीघ्र ही फैसला लेगी। 20 वर्ग मीटर तक की दुकानों को शर्तों के साथ नियमित करने से अब उन कई हजार दुकानों की सील भी खुलने की आशा बंधी है जो बरसों से सील पड़ी हैं। आशा है कि अब मास्टर प्लान शीघ्र नोटिफाई होगा और लैंड पूलिंग पासी और जीडीए पालिसी लागू करने पर भी फैसला होगा। बिधूड़ी ने आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से अनुरोध किया कि गांव की विस्तारित आबादी को नियमित करने, किसानों की अधिग्रहित जमीन का मुआवजा बढ़ाने, जमीन अधिग्रहित होने पर वैकल्पिक आवासीय प्लाट देने, जिन भूमिहीनों को 20 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत आवासीय प्लाट दिए गए, उन्हें मालिकाना हक देने और ग्रामसभा की जमीन का उपयोग केवल गांववालों की सुविधाओं के लिए किए जाने की मांगों पर शीघ्र गौर किया जाए।

तरुण हत्याकांड: हिंसा भड़काने के आरोपी की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित, 9 अप्रैल को कोर्ट सुनाएगी आदेश

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। द्वारका कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिवाली बंसल की अदालत ने उत्तम नगर में हुए बहुचर्चित तरुण हत्याकांड के भीड़ हिंसा मामले में आरोपित बनाए गए बाबू खान की अग्रिम जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। आरोपित पर भीड़ को हिंसा के लिए भड़काने का आरोप है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश को 9 अप्रैल को दोपहर 2 बजे सुनाए जाने के लिए सुरक्षित रखा है। मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से पेश जांच अधिकारी ने अग्रिम जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने अदालत को बताया कि अब तक आरोपित बाबू खान के खिलाफ जांच जारी है, ऐसे में अग्रिम जमानत का कोई आधार नहीं बनता और याचिका स्वीकार योग्य नहीं है। यह मामला 26 वर्षीय तरुण खटीक की हत्या से जुड़ा है, जो अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखते थे। 4 मार्च को उत्तम नगर की जेजे कालोनी में 20 से अधिक लोगों की भीड़ ने उन पर लाठी, डंडे, सरिए और अन्य हथियारों से हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल तरुण को उपचार के लिए माता चन्नन देवी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 5 मार्च को उनकी मौत हो गई।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का यू-टर्न: मंगलवार रहा तीन साल में अप्रैल का सबसे ठंडा दिन, फिर बरसेंगे बादल

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजधानी समेत एनसीआर के कई शहरों में मौसम ने एक बार फिर से करवट ले ली है। मंगलवार को

पूरे दिन बादल छाए रहे और तेज हवा के साथ हल्की वर्षा हुई। इससे राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में खासी गिरावट दर्ज की गई। आलम यह रहा कि मंगलवार (सात अप्रैल) का दिन तीन सालों के दौरान अप्रैल का सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। मंगलवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 6.3 डिग्री कम 28.8 डिग्री दर्ज हुआ। यह अप्रैल माह में 2023 के बाद सबसे कम है। इससे पहले एक अप्रैल 2023 को दिल्ली का अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 94 से 41 प्रतिशत रिकार्ड किया गया। जहां तक वर्षा का सवाल है तो सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे के बीच दिल्ली में 3.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। लोधी रोड में भी यह 3.0 मिमी ही रही जबकि पालम और रिज में 2.1 मिमी और आयानगर में 2.0 मिमी वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों के अनुसार मौसम में यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के साथ-साथ हवा के पैटर्न में बदलाव के कारण हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, आज भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने येलो अलर्ट भी जारी किया है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 17 डिग्री और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता 114 एक्यूआइ के साथ ''मध्यम'' श्रेणी में बनी रही। हाल फिलहाल इसमें अधिक बदलाव होने की कोई संभावना नहीं है। मंगलवार दोपहर तेज आंधी और झमाझम बारिश से मौसम अचानक बदल गया। कई जगह पेड़ की डालियां गिरीं और लोग बचने के लिए इधर-उधर शरण लेते दिखे। स्कूल के बच्चे भीगते नजर आए। बारिश से गर्मी से राहत मिली, लेकिन ट्रैफिक प्रभावित रहा। तापमान 27/17 डिग्री दर्ज हुआ, बुधवार को भी बारिश के आसार हैं।

लगातार बारिश और ओलावृष्टि से किसानों पर दोहरी मार पड़ रही है। मंडी में गेहूं की खरीद नहीं हो रही, जबकि खेतों में कटी फसल भीग रही है। हेफेड द्वारा खरीद शुरू न होने से किसानों में नाराजगी है और फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है।

खराब मौसम के चलते गेहूं की कटाई (लावणी) का काम ठप हो गया है। मंडियों में आवक तो हुई, लेकिन बारिश से काम प्रभावित रहा। किसान जल्द कटाई के लिए हार्वेस्टर का सहारा ले रहे हैं, फिर भी मौसम बाधा बना हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार नमी से गेहूं की गुणवत्ता घट रही है और दाना खराब होने का खतरा है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी ऐसे ही हालात बने रहने की संभावना जताई है।

एलपीजी संकट की मार से दिल्ली में घरेलू सहायिकाओं की रसोई पड़ी ठंडी, चार गुना दाम ने बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुमंजिला इमारतों, कोठियों के साथ ही फ्लैटों में रहने वाले लोगों की रसोइयों में स्वादिष्ट खाना पकाने वाली घरेलू सहायिकाओं की रसोई भी सुनी पड़ने लगी है। एलपीजी सिलिंडर की उपलब्धता में किल्लत व उसके महंगे दाम में मिलने से कई घरेलू सहायिकाओं के घर का चूल्हा जलना अव्यवस्थित हो गया है। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि चूल्हा नहीं जलता तथा उन्हें बाहर से असुरक्षित व महंगे खाने से पेट भरना पड़ रहा है। दिल्ली की चकाचौंध के बीच मौजूदा समय में मुश्किलों से गुजर रहीं उन घरेलू सहायिकाओं का कहना है कि उनके पास स्थायी पते या जरूरी दस्तावेजों का अभाव है। जिसके चलते वे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना या अन्य वैध एलपीजी कनेक्शन का लाभ नहीं उठा पा रही हैं। इनका गुजारा पांच किलो वाले छोटे अवैध सिलेंडरों के भरोसे चलता है। हाल के दिनों में इन सिलेंडरों को भरवाना किसी चुनौती से कम नहीं है।

चार गुना दाम, फिर भी खाली हाथ

ग्रेटर कैलाश, करोलबाग, राजेंद्र नगर व लक्ष्मी नगर समेत अन्य क्षेत्रों

में काम करने वाली घरेलू सहायिका का जीवन घरेलू सहायिकाओं का कहना है कि खुले बाजार में एलपीजी अब चार गुना महंगे दामों पर मिल रही है। स्थानीय दुकानदार उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर दो से तीन गुने दाम वसूल रहे हैं। अधिकतर घरेलू सहायिका झुग्गी- बस्ती में रहती हैं। उनका कहना है कि चार लोगों के बीच पांच किलो सिलिंडर पर केवल एक सप्ताह से 10 दिन का खाना बन पा रहा है। उसके बाद फिर उनको भटकना पड़ रहा है। दूसरी तरफ महंगी होती खाद्य वस्तुओं के दाम ने भी उनकी रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। वेस्ट विनोद नगर में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली रूबी ने कहा कि यह दिन उसके तथा परिवार के लिए काफी मुश्किलों भरा है। कहीं से भी एलपीजी नहीं मिल रहा है। चार दिन से उसके घर का चूल्हा नहीं जला है। मैं कीर्ति नगर के टोडापुर गांव में पिछले 35 साल से रह रही हूं। करोलबाग की कोठियों और पीजी में खाना बनाती हूं, लेकिन अपने बच्चों का पेट भरने के लिए बाहर के महंगे खाने पर निर्भर हूं। क्योंकि सिलेंडर के दोगुना दाम देने के बाद भी गैस कही नहीं मिल रहा है।

- 10 अप्रैल से प्रारंभ होगा समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन
- तैयारियों की कलेक्टर की समीक्षा

उपार्जन केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों बारदाने : कलेक्टर

इस वर्ष पंजीयन में लगभग 116 प्रतिशत और रकबे में 111 प्रतिशत वृद्धि दर्ज, कलेक्टर की अध्यक्षता में उपार्जन समिति की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य 10 अप्रैल से प्रारंभ किया जाएगा। उपार्जन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से बारदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपार्जन केन्द्रों पर बारदानों की कमी किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही तौल कांटे, नमी मापक यंत्र, साफ-सफाई, पेयजल, छाया और किसानों के बैठने की समुचित व्यवस्था समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बिजली, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि खरीदी कार्य बिना किसी बाधा के संचालित हो सके। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर स्लॉट बुकिंग के आधार पर किसानों को निर्धारित समय पर ही बुलाया जाए, जिससे अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं खरीदी निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही की जाए और गुणवत्ता से समझौता न हो। किसी भी प्रकार की अनियमितता या शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर बारदानों की स्थिति का नियमित सत्यापन, किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल, छायादार स्थान और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही फायर सेफ्टी, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट-एड) की उपलब्धता, एल-1 बायोमेट्रिक डिवाइस, हम्माली व्यवस्था तथा किसानों की जानकारी दर्ज करने हेतु रजिस्टर संधारित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, नमी जांच के उपकरण तथा आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन कार्य के दौरान किसानों से लगातार संवाद बनाए रखा जाए और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए। उपार्जन केन्द्रों का नियमित निरीक्षण कर किसी भी कमी को तुरंत दूर किया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, ताकि खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके। बैठक में कृषि उप संचालक श्री अशोक उपाध्याय, सहकारिता उप पंजीयक श्री सुधीर कैथवास, जिला विपणन अधिकारी श्री नीरज भार्गव, नागरिक आपूर्ति निगम जिला प्रबंधक श्री विवेक रंगारी, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रेशमा भामोर, वेयर हाउस शाखा प्रबंधक श्री एमएल सूर्यवंशी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री आकाश चंदेल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इस वर्ष पंजीयन में लगभग 116 प्रतिशत और रकबे में 111 प्रतिशत वृद्धि दर्ज

जिले में गेहूं उपार्जन की प्रगति पर नजर डालें तो वर्ष 2025-26 में कुल 88,292 किसानों का पंजीयन हुआ था और 2,20,293.55 हेक्टेयर रकबा दर्ज किया गया था। वहीं वर्ष 2026-27 के लिए अब तक 1,02,485 किसानों का पंजीयन हो चुका है तथा 2,44,959.65 हेक्टेयर रकबा दर्ज किया गया है। इस प्रकार पंजीयन में लगभग 116 प्रतिशत और रकबे में 111 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो जिले में उपार्जन कार्य के प्रति किसानों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब के विरूद्ध पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई

सीहोर (निप्र)। एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को जिले में अवैध शराब के विक्रय एवं परिवहन रोक लगाने और संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके तहत पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले की पुलिस द्वारा मार्च माह में जिले के अनेक क्षेत्रों में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए सघन चेकिंग की गई और कार्यवाहियां भी की गईं। पुलिस विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि मार्च माह में अवैध मदिरा के विरूद्ध 95 प्रकरण कायम किए गए, जिनमें 2,45,530 रूपये कीमत की 606 लीटर मदिरा जब्त की गई और आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

कलेक्टर के निर्देशानुसार एसडीएम पिपरिया ने किया बनखेडी तहसील का निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) श्री आकिप खान द्वारा तहसील बनखेड़ी के ग्राम धड़ावा पड़ाव, डंगरहाई एवं बिजनहाई का भ्रमण कर गत दिवस तेज वर्षा, हवा एवं ओलावृष्टि से हुई फसल एवं अन्य नुकसानी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ने मौके पर उपस्थित हल्का पटवारी एवं सर्वे टीम को सख्त निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों का गंभीरता से सर्वे कार्य किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी प्रभावित व्यक्ति का नुकसान सर्वे से छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रभावित किसान एवं नागरिक की हानि का सही आंकलन कर समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए जिससे शासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रदान की जा सके। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए नुकसान के आंकलन की कार्यवाही प्रथमिकता के साथ की जा रही है ताकि प्रभावितों को शीघ्र राहत उपलब्ध कराई जा सके।

नरवाई जलने की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई: एफआईआर और जुर्माना लगाया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। नरवाई प्रबंधन हेतु निरंतर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया, राजस्व विभाग एवं विभिन्न विभागों से बनाए गए नोडल अधिकारी, सहायक नोडल सतत भ्रमण कर रहे हैं। जिनके द्वारा किसानों को जागरूकता के अतिरिक्त जिन-जिन क्षेत्रों में नरवाई जली पाई जा रही है उसे समय पर बुझाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अन्य खेतों में आग ना फैले। तहसील पिपरिया अंतर्गत नरवाई की घटना पाए जाने पर ग्राम ठूठा- दहलवाड़ा के 12 व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। अनुविभाग पिपरिया अंतर्गत आज दिनांक तक 68 व्यक्तियों के विरुद्ध 2 लाख 97 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, कलेक्टर एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी पिपरिया के प्रतिबंधात्मक आदेशों के अंतर्गत जहां-जहां भी नरवाई जलाने की घटना पाई जाएगी संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना अधिरोपित करने एवं नरवाई प्रवन्धन मे असहयोग करने, नरवाई जलाने की घटनाओ को बढ़ावा देने सम्वधी चिन्हित व्यक्तियों के विरुद्ध स्नढ्ढक्र दर्ज कराने हेतु प्रकरण तैयार किये जा रहें है।

ई-टोकन के बिना उर्वरक विक्रय करने पर 12 उर्वरक विक्रेताओं का लायसेंस निलंबित

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक वितरण के लिए शासन द्वारा ई-विकास (वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति समाधान) प्रणाली ई-टोकन लागू करते हुए शत-प्रतिशत उर्वरक वितरण ई-टोकन प्रणाली से ही किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके उपरांत भी ई-टोकन के बिना उर्वरक का विक्रय किए जाने पर उप संचालक कृषि द्वारा 12 उर्वरक विक्रेताओं का लायसेंस तत्काल निलंबित करते हुए तीन दिवस में जबाव प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। जिन उर्वरक विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय लायसेंस निलंबित किए गए हैं उनमें दैविक एग्रो केयर रायसेन, सेवा सहकारी समिति दीवानगंज, डीके ट्रेडर्स औबेदुल्लागंज, चौकसे कृषि सेवा केन्द्र सुल्तानपुर, नित्या कृषि सेवा केन्द्र बाड़ी, संकल्प रिटेल स्टोर बाड़ी, आदित्य ट्रेडर्स बरेली, शिव शक्ति ट्रेडर्स बाड़ी, एचके कृषि मार्ट बरेली, अमन ट्रेडर्स अमरावदकलां बाड़ी, इफको ई बाजार गैरतगंज तथा सेवा सहकारी समिति सांईखेड़ा शामिल हैं। उक्त सभी उर्वरक विक्रेताओं को नोटिस जारी किए गए हैं कि क्यों ना लायसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाए।

सिविल सर्जन डॉ. घोरे ने जिला अस्पताल में वार्डों का किया निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। सिविल सर्जन डॉ. जगदीश घोरे ने सोमवार को जिला अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला वार्ड, आइसोलेशन वार्ड, पुरुष सर्जिकल वार्ड, बच्चा वार्ड, डायलिसिस यूनिट एवं आईसीयू वार्ड का जायजा लिया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. घोरे ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए वार्डों में पंखे, कूलर एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजस्व प्रकरणों का समयावधि में किया जाए निराकरण: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन और शासकीय कार्यो की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, विभागीय गतिविधियों, समय सीमा वाले पत्रों, योजनाओं तथा अभियानों की साप्ताहिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी जिला अधिकारियों से कहा कि नवीन वित्तीय वर्ष प्रारंभ हो गया है। सभी अभी से लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने के लिए कार्य करें।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी कार्यालय में समय से उपस्थित रहें तथा शासन की योजनाओं, सेवाओं और विकास कार्यो का लाभ आमजन तक सुगमता से पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व कोर्ट में प्रकरणों का समयावधि में निराकरण किया जाए। सीमांकन, बंटवारा, नामांतरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में अनावश्यक विलम्ब हो। इसी प्रकार सभी तहसीलदारों को फार्मर रजिस्ट्री कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी एसडीएम तथा तहसीलदारों से कहा कि जिले में विभिन्न क्षेत्रों में फसल जलने की जानकारी प्राप्त हो रही है।अधिकारी इसमें संवेदनशीलता से काम करें तथा तत्काल मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाएं। साथ ही प्रकरण तैयार कराते हुए आरबीसी-64 के तहत मुआवजा उपलब्ध कराने की कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देशित किया कि नरवाई जलाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही किसानों को समझाईश भी दी जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए कहा कि आगामी 10 अप्रैल से उपार्जन शुरू हो रहा है। सभी एसडीएम तथा कृषि अधिकारी क्षेत्र में किसान संगठनों से चर्चा करें तथा तैयारियों का अवलोकन भी करें। राजस्व अधिकारियों को चना-मसूर उपज का सत्यापन पूर्ण कराने के लिए भी कहा। इसी प्रकार उच्च न्यायालय के प्रकरणों तथा सिविल न्यायालय के प्रकरणों में जबावदावा दर्ज कराने के लिए भी निर्देशित किया। एचपीवी वैक्सीनेशन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएमएचओ तथा बीएमओ को निर्देशित किया कि वैक्सीनेशन कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है, इसमें तेजी लाते हुए शीघ्र कार्य पूर्ण कराएं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने रायसेन में 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी तैयारियां शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जल संचय जनभागीदारी अभियान और जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यो की भी जानकारी लेते हुए एसडीएम तथा जनपद सीईओ को कार्यो का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन शिकायतों की विभागवार और अधिकारीवार समीक्षा करते हुए जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाईन का प्राथमिकता से संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के लिए निर्देशित किया। साथ ही नॉन अटेन्डेन्ट और निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर्स तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से बैठक में उपस्थित रहे।

युवा संगम का आयोजन 13 को रोजगार और स्वरोजगार के सुनहरे अवसर एक ही मंच पर

विदिशा (निप्र)। जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु 13 अप्रैल को 'युवा संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय आई.टी.आई. परिसर, जिला विदिशा में पूर्वाहन 11 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार मेला एवं अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर युवाओं का साक्षात्कार लेंगे एवं योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगे। इसके साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी एवं ऋण सुविधा से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आवेदकों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है, जबकि आयु सीमा 18 से 35 वर्ष के बीच रखी गई है।

मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ की ऊर्जा मंत्री के साथ आंदोलन के मांगपत्र

भोपाल । मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ की दिनांक 07अप्रैल 2026 को मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर जी के साथ 11सूत्रीय मांगो के निराकरण के समर्थन में चर्चा की गई जिसमें संविदा कर्मियों को नियमित करने ,पूर्व क्षेत्र में अनुकंपा नियुक्ति संविदा कार्यालय सहायकों को नियमित करने ,बाय स्त्रोत सेवानिवृत्ति एवं सहकारी समिति के कार्मिकों की बिंदु बार समस्याओं एवं विसंगतियों पर चर्चा की गई जिसमें माननीय ऊर्जा मंत्री जी द्वारा तत्काल विशेष कर्तव्य अधिकारी को निर्देशित किया गया की बिजली कर्मचारी महासंघ की शीघ्र बैठक माननीय ऊर्जा मंत्री जी की अध्यक्षता में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई जी ऊर्जा विभाग म प्र शासन से कराने एवं सभी बिंदुओं का निराकरण किस प्रकार से हो सकता है इस पर बैठकर दोनों पक्ष सकारात्मक चर्चा कर लेवे। इसके बाद जायज उचित मांगों पर उचित निर्णय लिया जाएगा। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय मंत्री एवं सह प्रभारी विद्युत मा .अरविंद मिश्रा जी ,भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री मा.कुलदीप सिंह गुर्जर जी , भारतीय मजदूर संघ के संयुक्त महामंत्री व विद्युत उद्योग के प्रदेश प्रभारी मा.आशीष सिंह जी, मध्य प्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री मा .सुशील कुमार पांडे जी, मध्य प्रदेश की पांचो कंपनियों के महामंत्री श्री मणिराज विश्वकर्मा जी पूर्व क्षेत्र, श्री संदीप त्रिपाठी जी मध्य क्षेत्र, श्री राजेश जैन जी ट्रांसमिशन ,श्री भगवान स्वरूप श्रीवास्तव जी पश्चिम क्षेत्र, श्री पंकज पवार जी उत्पादन , के साथ श्री देवेंद्र नेवले,श्री अमित कुर्मी ,दीपक गुप्ता, श्री सुदीप मिश्रा, श्री अखिलेश वासुरे (संविदा प्रतिनिधि)मध्य क्षेत्र,श्री प्रवीण तिवारी(अनुकंपा नियुक्ति संविदा) पूर्व क्षेत्र ,श्री सी.बी.विश्वकर्मा (विद्युत सहकारी समिति सोसाइटी)पूर्व क्षेत्र की उपस्थिति रही ।

प्रदेश महामंत्री बिजली कर्मचारी महासंघ श्रीमान सुशील कुमार पांडे जी द्वारा मांग पत्र के सभी बिंदुओं का विस्तार से वाचन किया गया।जिन्हें माननीय ऊर्जा मंत्री जी ने गंभीरता पूर्वक सुना। व विशेष कर्तव्य अधिकारी जी को दिनांक 16/04/26 के पूर्व बैठक कराए हेतु निर्देश दिए गए,

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा के साथ बृहद बैठक में इसके सकारात्मक परिणाम आएंगे।

स्वरोजगार से आत्मनिर्भर बनीं श्रीमती छायादेवी

अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा

विदिशा (निप्र)। शासन द्वारा युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर कई लोग सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं।

ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी गंजबासौदा की श्रीमती छायादेवी की है, जिन्होंने स्वरोजगार के माध्यम से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी मिसाल प्रस्तुत की है। श्रीमती छायादेवी एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके मन में हमेशा कुछ नया करने और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने की इच्छा थी। इसी दौरान उन्हें जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, विदिशा के माध्यम से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की जानकारी प्राप्त हुई, जिसके तहत स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने इस योजना के अंतर्गत आवेदन किया और उनका प्रस्ताव स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बासौदा शाखा द्वारा स्वीकृत किया गया।

बैंक से उन्हें 25 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग से उन्होंने 'परफेक्ट मार्केटिंग' नाम से बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर्स का व्यवसाय प्रारंभ किया। आज उनका व्यवसाय सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है और वे प्रतिमाह लगभग 85 हजार रुपये की स्थिर आय अर्जित कर रही हैं।

लोक सभा सांसद की अनुशंसा पर 03 निर्माण कार्य हेतु

नर्मदापुरम (निप्र)। सांसद लोकसभा श्री दर्शन सिंह चौधरी की अनुशंसा पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा सांसद निधि से 03 निर्माण कार्य के लिए 02 लाख 49 हजार 118 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक सभा सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी की अनुशंसा पर नगर नर्मदापुरम के वार्ड नं 27 भीलपुरा वार्ड में शंकर मंदिर राजघाट के पास सार्वजनिक कवर्ड बैठक (टीन शेड) निर्माण के लिए 79 हजार 986 रूपये, नगर नर्मदापुरम के वार्ड क्रं 24 रसूलिया में सिंगाजी मंदिर के पीछे फुटपाथ निर्माण के लिए 99 हजार 169 रूपये तथा नगर नर्मदापुरम के वार्ड नं 26 रेवागंज वार्ड में खेडापति मंदिर के पास सार्वजनिक कवर्ड बैठक स्थल के लिए 69 हजार 963 रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्राम मन्नूपुरा में आग लगने की घटना, प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर आग पर पाया काबू

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के ग्यारसपुर तहसील अंतर्गत ग्राम मन्नूपुरा तथा सियासी चक्र ग्राम में नरवाई में आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही प्रशासनिक अमला तत्परता के साथ मौके पर पहुंचा और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई, जिससे संभावित नुकसान को सीमित किया जा सका। क्षेत्र के तहसीलदार श्री सौरभ वर्मा स्वयं मौके पर पटवारी एवं एईआरओ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे और स्थिति का जायजा लिया। आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच की जा रही है। घटना के दौरान कोई भी किसान मौके पर उपस्थित नहीं मिला, जिससे नुकसान का तत्काल आकलन नहीं हो सका।

बिजली संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए समाधान : कलेक्टर

- ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए खाद का वितरण, किसानों को न होना पड़े परेशान - कलेक्टर
- जल गंगा संवर्धन अभियान का किया जाए प्रभावी क्रियान्वयन - कलेक्टर
- नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती बरतने और जागरूकता बढ़ाने के कलेक्टर ने दिए निर्देश
- कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित

एचपीवी टीकाकरण अभियान में लाई जाए तेजी - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में विभिन्न विभागों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि प्रशासन का पहला दायित्व जनता को समय पर राहत पहुंचाना है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि बिजली संबंधी समस्याओं के निराकरण में देरी के कारण लोगों को अनावश्यक परेशानी होती है और कई बार यह आक्रोश का कारण बनती है। अतः शिकायतों के समाधान में संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शेष प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन आमजन की समस्या से जुड़ा होता है, इसलिए उन्हें गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में समाधान किया जाए। अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए एचपीवी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने सीएचएमओ, डीईओ एवं डीपीसी को लक्षित वर्ग तक अधिकतम पहुंच सुनिश्चित करने, जागरूकता बढ़ाने और अभियान की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए, ताकि निर्धारित लक्ष्य समय पर पूरे किए जा सकें। विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि अर्जन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भू-अर्जन की सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं, जिससे परियोजनाओं का कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रभावित किसानों और भू-स्वामियों को समय पर उचित मुआवजा प्रदान किया जाए तथा किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या तकनीकी बाधा का तत्काल समाधान किया जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में तेजी आने से जिले में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और आमजन को बेहतर आवागमन व अन्य सुविधाएं मिलेंगी। कृषि क्षेत्र से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने खाद वितरण व्यवस्था को सुचारू एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद का वितरण केवल ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से किया जाए, ताकि किसानों को लाइन में लगने या अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। वितरण केंद्रों पर छाया, पानी और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने खाद दुकानों की नियमित जांच करने और अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

संपादकीय

महिला आरक्षण से बदलेगा भारतीय लोकतंत्र का चेहरा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीति में कम हिस्सेदारी को सुधारने का प्रयास है। आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी के बावजूद संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बेहद कम है। लंबे इंतजार के बाद यह कानून लोकतंत्र को संतुलित बनाएगा, नीतियों में महिलाओं की आवाज बढ़ाएगा और राजनीति में समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।साल 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की जनसंख्या में महिलाओं की आबादी 48.5 प्रतिशत थी। अनुमान है कि पिछले करीब डेढ़ दशक में इसमें कुछ सुधार ही हुआ होगा, लेकिन जो नहीं बदला, वह है देश की संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) इसी स्थिति को बदलने वाला कानून है और इसके पास व लागू होने में देरी नहीं होनी चाहिए।आंकड़े बताते हैं कि राजनीति में महिलाएं महत्वपूर्ण तो रहीं, पर ज्यादातर वोट बैंक के नजरिये से। उनको उचित प्रतिनिधित्व आज भी नहीं मिल पाया है, जबकि हर क्षेत्र में समान अधिकार की बात की जाती है। मौजूदा लोकसभा में महज 14 प्रतिशत महिला सांसद हैं, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में तो स्थिति और खराब है - महज 10 प्रतिशत महिला विधायक। और जब महिलाओं को मौका ही नहीं मिलेगा, तो यह सुधरेगा कैसे। भारत ने अपनी आजादी के साथ ही महिलाओं को पुरुषों के बराबर वोटिंग का अधिकार देकर दुनिया के सामने नजीर पेश की थी, पर इसके अगले चरण - राजनीति में उनकी बराबर भागीदारी में देश पीछे रह गया। साल 1996 में एचडी देवेगौड़ा की सरकार में पहली बार महिला आरक्षण बिल लाया गया था और तब से तीन दशकों में चार असफल प्रयास हो चुके हैं। अब सरकार ने बिल पास करने के लिए 16 से 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। पीएम नरेंद्र मोदी ने केरल में एक चुनावी रैली में महिलाओं से विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि संसद में महिला आरक्षण बिल बिना किसी विरोध के पास हो सके। आदर्श स्थिति तो यह होगी कि बिल को हर दल का साथ मिले, दबाव बनाने और विरोध की नौबत ही न आए। देर से ही सही, कम से कम अब इस काम को अंजाम तक पहुंच जाना चाहिए। जब सदन में ज्यादा महिलाएं होंगी, तो आधी आबादी से जुड़े मुद्दों को ज्यादा आवाज मिलेगी। उनकी समस्याओं पर ज्यादा सटीक और संवेदनशील चर्चा हो सकेगी, जिससे नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। महिलाओं की अनगिनत उपलब्धियों के बावजूद राजनीति उन कुछ क्षेत्रों में है, जहां उन्हें बराबर मौके नहीं मिल पाते। महिला आरक्षण बिल इस कमी को दूर करेगा। इस बदलाव का असर पूरे समाज पर पड़ेगा। महिला आरक्षण का सवाल सिर्फ सीटों का बंटवारा नहीं, भारत के लोकतंत्र को और संतुलित व न्यायपूर्ण बनाने का मुद्दा है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है।

(ललित गर्ग)

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ़ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है।

बागी सिपाहियों को सबक सिखाने के मूड में कांग्रेस

(उमेश चतुर्वेदी)

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनावी घमासान बढ़ता जा रहा है। देश की सबसे पुरानी पार्टी का दांव चूंकि दो राज्यों में ही सबसे ज्यादा है, इसलिए उसका सारा ध्यान इन्हीं दो राज्यों पर है। असम और केरल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की स्थिति अलग-अलग है। इसलिए दोनों ही राज्यों में उसकी चुनौतियां अलग हैं, इसलिए उसकी लड़ाई के रूप और तरीके अलग-अलग हैं। हरियाली और समुद्री किनारे के चलते केरल को खूबसूरत राज्यों में शुमार किया जाता है। इस खूबसूरती की ही वजह से केरल को 'भगवान का देश' कहा जाता है। बारह साल से केंद्रीय सत्ता से दूर कांग्रेस को उम्मीद भगवान के इसी देश से ही ज्यादा है। पिछले लोकसभा चुनावों में जिस तरह इस राज्य से उसे समर्थन मिला था, उसकी वजह से उसकी उम्मीदों का परवान चढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन यहां उसकी चुनौती भगवान को न मानने वाली विचारधारा से है। केरल की सत्ता पर काबिज जिस वाममोर्चा से विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का मुकाबला है, राष्ट्रीय स्तर पर मोदी के खिलाफ बने विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस उसी वाममोर्चे के साथ है। स्थानीय स्तर पर विरोध और राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का विरोधाभास अगर सर्वाधिक शिक्षित राज्य में भारी पड़ सकता है। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में राजधानी तिरूअनंतपुरम् में जीत हासिल कर चुकी बीजेपी इस विरोधाभास को खूब उछाल रही है। वैसे तो बीजेपी का दावा है कि इस बार भगवान के देश में भगवा ध्वज फहरने जा रहा है, हालांकि अब तक चुनावी अभियान से साफ है कि बीजेपी को वैसी सफलता मिलती नजर नहीं आ रही। लेकिन बीजेपी का मौजूदा जीन आखिरी दम तक हार नहीं मानने का है। इसलिए पार्टी की कोशिश सीपीएम की अगुआई वाले वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त मोर्चे के विरोधाभास को उजागर करने पर है। पार्टी को लगता है कि देश के इस सर्वाधिक साक्षर राज्य में अगर जनता ने इस विरोधाभास को समझ लिया तो राज्य के चुनावी नतीजे 2017 के उत्तर प्रदेश के परिणामों की तरह आश्चर्यजनक रूप से अपने पक्ष में किए जा सकते है। 2017 में किसने सोचा था कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत हासिल करेगी। इसी कोशिश के तहत अमित शाह केरल की करीब 19 प्रतिशत जनसंख्या वाले ईसाई समुदाय से लगातार संपर्क कर रहे हैं। साल 2011 की जनगणना के अनुसार, केरल के कुल 3.34 करोड़ निवासियों में से लगभग 61.41 लाख ईसाई हैं, जो मुख्य रूप से मध्य केरल में केंद्रित हैं। पारंपरिक रूप से केरल में यह समुदाय कांग्रेस का सहयोग करता रहा है, लेकिन बीजेपी की कोशिश इस समुदाय को कांग्रेस से तोड़ने की रही है। हालिया अतीत के कुछ चुनावों में यह समुदाय बीजेपी के साथ खड़ा होता नजर आया है। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित लव जेहाद का शिकार केरल में यह समुदाय भी होता रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर इस समुदाय में भी कुछ वैसा ही गुस्सा है, जैसा उत्तर भारत में हिंदू समाज में ऐसा नजर आता है। कांग्रेस का संकट है कि वह वाममोर्चा का विरोध और समर्थन की उलटबांसी की सटीक काट नहीं खोज पा रही है। इस वजह से राज्य का चुनावी मुकाबला लगातार दिलचस्प होता जा रहा है। वैसे बीजेपी जिस तरह की कोशिश करती नजर आ रही है, उससे सबसे ज्यादा संकट में कांग्रेस की संभावनाएँ ही नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि बीजेपी की रणनीति कांग्रेस को इस राज्य की सत्ता से दूर रखने की ही है।

पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख राज्य असम की जहां तक बात है, तो वहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस में ही है। कांग्रेस की चिढ़ यह है कि बीजेपी जिस हिमंत विस्वसरमा के चेहरे पर चुनावी मैदान में है, वह कभी कांग्रेस का ही चेहरा होते थे। कांग्रेस अपने इस पूर्व नेता को इस बार हर हाल में सबक सिखाने के मूड में नजर आ रही है। जिस तरह उनकी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का आरोप है कि रिन्की भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरता, एंटीगुआ और बारबुडा एवं मिस्र का पासपोर्ट है। कांग्रेस ने इसके समर्थन के कुछ दस्तावेज़ों की कॉपी भी दिखाई है। हालांकि हिमंत विस्वसरमा का कहना है कि कांग्रेस हताशा में है और उनकी ओर से कांग्रेस के नेताओं पर मानहानि का केस दायर करने की भी बात कही जा रही है। कांग्रेस एक तरह से अपने इस पुराने सिपाही को भ्रष्टतम साबित करने की कोशिश में है। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि हिमंत के पास अमेरिका में भी कंपनी है, जिसमें बावन हजार करोड़ रूपए जमा हैं। कांग्रेस का यह आरोप राहुल गांधी के आरोपों का विस्तार ही लगता है। राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने सहयोगी को देश का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताया था। राहुल गांधी उन्हें सत्ता में वापसी के बाद जेल भेजने की बात कहते रहे हैं। कांग्रेस की इन आरोपों के जरिए कोशिश सिर्फ हिमंत को ही सवालों के घेरे में रखना नहीं है, बल्कि बीजेपी को भी भ्रष्टाचार बताने की भी है। वैसे हिमंत भी राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। अपने कांग्रेस छोड़ने की वजह वे राहुल गांधी को ही बताते रहे हैं। दोनों के रिश्तों के संदर्भ में मौजूदा आरोपों को देखें तो यह निजी खुन्नस का भी मामला लगता है। हिमंत इन आरोपों को निजी खुन्नस बताने और असम के लोगों को समझाने की कोशिश में लगे हैं। अगर वे इसमें कामयाब रहे तो असम में कांग्रेस की चुनावी संभावना दूर होगी। अगर ऐसा हुआ तो फिर कांग्रेस के लिए उत्तर पूर्व में अपनी मौजूदगी बनाए रखना दूर की कौड़ी हो जाएगा। इसका कारण यह है कि हिमंत पूर्वोत्तर भारत में बीजेपी का चेहरा और संकट मोचक बन चुके हैं। अगर कांग्रेस की कोशिशें कामयाब रहीं तो पूर्वोत्तर में बीजेपी की राह कठिन हो जाएगी। हिमंत की हार उसकी चुनावी संभावनाओं पर बड़ा प्रश्नचिन्ह बनकर उभरेगी। असम पर काबू पाने के लिए कांग्रेस ने अपने हरावल दस्ते के हर हथियार मैदान में उतार दिए हैं। कांग्रेस की कोशिशों को पलीता उसकी प्रेस कांफ्रेंस में ही लगता दिखा, जब राष्ट्रीय मीडिया के एक पत्रकार ने उस कंपनी की वेबसाइट खोलकर उसकी स्थापना के तथ्य कांग्रेस प्रवक्ता के सामने पेश करने शुरू कर दिए, जो कांग्रेस के दावे के ठीक उलट नजर आ रहे थे। इसका माकूल और संतोषजनक जवाब कांग्रेस प्रवक्ता नहीं दे पाए।

वर्ग पहेली 6056

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह एशिया का निष्प्राण क्षेत्र कहलाता है (3)
4. यह देश 1814 में ब्रिटेन के अधीन हो गया था और 26 मई 1966 को राष्ट्रमंडल के भीतर स्वाधीन बना जिसकी राजधानी जार्जटाउन है (3)
7. हस्तलिखित, उपरोपित, पैबंदी (3)
9. एक बार सांस लेने का समय, बल, कश, फूंक (2)
10. किसी वी.आई.पी. के आने पर की जाने वाली तोपों का फैर (3)
12. इस स्वतंत्रता सेनानी को पंजाब केसरी भी कहा जाता था (8)
17. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
18. अंधकार, तमोगुण, विजय वासना रूपी अज्ञान (2)
19. जल, आब, नीर, पानी (2)
20. थलीय धरातल, पृथ्वी (3)
22. अनलंकृत, दर्पहीन, सरल, सामान्य (3)
24. कुएं के आसपास बना हुआ चबूतरा (4)
25. मनुहार, मनाने का काम, मन्नत (4)

ऊपर से नीचे
1. रसोईघर को यह भी कहा जाता है (4)
2. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई (2)
3. सुमात्रा द्वीप में होने वाली एक प्रकार की घास (2)
5. अविस्मरण, स्मृति, वियोग, दुख (2)
6. संज्ञा, इस्म, उपाधि, संज्ञिका (2)
8. मिलन, समझौता, समागमन, इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा ने सर्प की भूमिका निबाही थी (3)
10. श्रृंगार करना, तैयार होना, बनना-ठनना (6)
11. प्रेमी, पुरूष मित्र को यह भी कहा जाता है (2)
13. उत्तराधिकारी, अनाथ, स्वामीहीन (4)
14. राल, लुआबा, लासा (2)
15. निशा, विभावरी, रात्रि, रजनी (2)
16. यमराज की भेजे जाने वाले संदेशवाहक (4)
21. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (3)
23. समाकार, समकोटीय, अनेतर, सदृश्य (2)

वर्ग पहेली 6055 का हल

ब	ह	री	न		म	हु	आ
या	र		म	दी	ना		स
र	फ	बु	क		व		पा
		त	ह	स	न	ह	स
सु	ख		ला	वा		स्ती	
न	ल		ल	लि	ता		फौ
य		आ		या	र	बा	ज
ना	म	ज	द		क	र	

अस्वीकृति से आदर्श तक: हर युग का आह्वान 'एकलव्य'

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास की शिला पर कुछ नाम लिखे नहीं जातेज उकेरे जाते हैं। वे समय के पन्नों पर नहीं बसते, वे समय की चेतना में धधकते हैं।एकलव्य ऐसा ही एक नाम है जो वंश, वैभव और व्यवस्था की सीमाओं से परे उठकर साधना, समर्पण और स्वाभिमान का शाश्वत प्रतीक बन गया।वे इतिहास की धरती पर जमें एक ऐसे वटवृक्ष हैं, जिनकी जड़ें श्रद्धा में, तना संकल्प में और शाखाएं साधना में फैलती हैं। वह वन के बालक थे, पर उनका मन मर्मज्ञ मनीषा का मंदिर था। एक वनवासी बालक जिसके पास न गुरुकुल की दीवारें थीं, न राजसी संसाधन, न अवसरों का विस्तार फिर भी उसके भीतर एक स्वप्न था, एक संकल्प था। उन्होंने यह नहीं देखा कि स्थान मिलेगा या नहीं, केवल यह ठान लिया कि उन्हें सीखना है, साधना है और स्वयं को गढ़ना है।

वे ज्ञान की याचना लेकर आचार्य द्रोण के पास गए पर लौटे अस्वीकृति लेकर। यहीं पर अधिकांश कथाएं समाप्त हो जाती हैं, किंतु यहीं से महानायक एकलव्य का प्रारंभ होता है। अधिकांश लोग अस्वीकृति को अंत मान लेते हैं, एकलव्य ने उसे आरंभ बना लिया। उन्होंने मिट्टी उठाई और गुरु गढ़ लिया। न कोई वेदपाठी वाणी, न कोई राजकीय आशीष, न कोई दर्शक, बस एक वन, एक साधक और भीतर धधकता हुआ संकल्प। उन्होंने स्वयं को सिखाया, स्वयं को साधा और स्वयं को उस स्तर तक पहुंचा दिया, जहां उनका कौशल राजपुत्रों से भी आगे खड़ा हो गया।

यहां एकलव्य केवल एक पात्र नहीं रह जाते, वे एक प्रश्न बन जाते हैं! क्या अवसर ही प्रतिभा का निर्धारक है? या संकल्प स्वयं अवसरों का निर्माण कर सकता है? एकलव्य का जीवन इस प्रश्न का उत्तर है कि प्रतिभा जन्म से नहीं, जिजीविषा से जन्म लेती है।

एकलव्य की हर साधना, हर अभ्यास, हर प्रयास मानो उनके मन के मंदिर में गूंजती एक मौन मंत्रध्वनि थी, जो कहती थी कि सीखना है तो स्वयं को साधना होगा, बढ़ना है तो स्वयं को गढ़ना होगा।

एकलव्य की साधना किसी सरिता की तरह थी जो पर्वतों से टकराकर रुकती नहीं, बल्कि उन्हें चीरकर अपना मार्ग बनाती है। वह न किसी से प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, न किसी से प्रमाण मांग रहे थे, वह केवल अपने भीतर के सर्वोत्तम स्वरूप तक पहुंचने की यात्रा में थे।

और फिर वह क्षण जब एकलव्य ने अपने समर्पण को अंगूठे के अर्पण में ढाल दिया। यह त्याग नहीं था, यह तप का तिलक था, जो उनके मस्तक पर नहीं, उसके चरित्र पर अंकित हुआ।

किंतु आज के संदर्भ में एकलव्य का यह प्रसंग हमें दो दिशाओं में सोचने को विवश करता है। एक ओर उनका समर्पण हमें विनम्रता और गुरु-भक्ति का पाठ पढ़ाता है, तो दूसरी ओर यह प्रेरणा भी देता है कि समाज को हर प्रतिभा के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने चाहिए।

यही कारण है कि एकलव्य केवल श्रद्धा के पात्र नहीं, बल्कि उस चेतना के वाहक भी हैं जो हमें बेहतर, अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की दिशा में सोचने को प्रेरित करते हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन व्यस्तता वाला रहेगा। आपके ऊपर आज काम का अतिरिक्त दबाव बना रहेगा। सितारे कहते हैं कि आज आप लोगों की मदद के लिए आगे बढ़ेंगे, लेकिन लोग आपकी उदारता को आपका स्वार्थ समझ सकते हैं।

वृष
आज का दिन सामान्य रहने वाला है। परिवार में कोई तनाव चल रहा है तो बातचीत के जरिए स्थिति को सुलझाना होगा। अधिकारी वर्ग से आपको प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यस्थल पर आपकी जिम्मेदारियां बढ़ने से काम का दबाव भी बढ़ सकता है, जिससे आप मानसिक रूप से तनावग्रस्त रहेंगे।

तुला
आज का जातकों के लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपको किसी बात की चिंता सता सकती है। लव लाइफ में अपने साथी के व्यवहार से परेशान रहेंगे, उनके कभी खट्टे तो कभी मीठे व्यवहार को समझ नहीं पाएंगे, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक
जातकों के लिए नौकरीपेशा में दिन अच्छा रहने वाला है। अपने वरिष्ठों की बात मानने से आपको प्रमोशन या वेतन वृद्धि मिल सकती है। आपके लिए सितारे आज कहते हैं कि आपको किसी की मदद करने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

मिथुन
आज का जातकों के लिए जिम्मेदारियां पूरी करने का रहेगा। आपको आज किसी जरूरी काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है। कठिनाइयों के बावजूद आज आप अपने किसी निर्णय से प्रसन्न रहेंगे। यदि परिवार का कोई सदस्य आपसे मदद मांगे तो आप उसकी मदद अवश्य करेंगे।

कर्क
आज का दिन जातकों के लिए परेशानियों भरा रहने वाला है। लेकिन आप संयम और समझदारी से स्थिति को संभालने में सफल रहेंगे। आपको एक से अधिक स्रोतों से आय की प्राप्ति होगी।

धनु
आज आपको जल्दबाजी में कोई भी काम करने से बचना होगा। आपको सिर्फ दिखावे के लिए कोई काम नहीं करना चाहिए, नहीं तो आपसे गलती हो सकती है और अगर आप अपने किसी भी महत्वपूर्ण काम में ढिलाई बरतेंगे तो बाद में आपको पछताना पड़ेगा।

मकर
आज का दिन मकर राशि के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपको आज वरिष्ठजनों से सहयोग मिलेगा। आपने कोई मनोकामना की थी तो वह आज पूरी हो सकती है, जिसके चलते आज परिवार में किसी उत्सव का आयोजन हो सकता है।

सिंह
आज का दिन जातकों के लिए खुशियों भरा रहने वाला है। भाग्य का आपको आज साथ मिलेगा। बिजनेस करने वाले लोगों को आज कोई बड़ी डील मिल सकती है जिससे मन आनंदित हो जाएगा। आपको एक के बाद एक अच्छी खबरें सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या
आज का दिन जातकों के लिए मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। यदि आप अपनी दिनचर्या में कुछ बदलाव करते हैं तो यह आपके लिए कुछ परेशानियां ला सकता है। आपके लिए बेहतर होगा कि आज आप योजना बनाकर काम करें और काम की प्राथमिकता तय करें।

कुंभ
आज का दिन जातकों के लिए अत्यंत फलदायी रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को पद प्रभाव में वृद्धि से खुशी मिलेगी। आज काम के सिलसिले में आपको एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। यात्रा आपकी सफल और लाभदायक रहेगी।

मीन
आज का जातकों के लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखना चाहिए और केवल दूसरों को दिखाने के लिए बहुत अधिक विलासिता की वस्तुएं नहीं खरीदनी चाहिए, अन्यथा आपका बजट बिगड़ सकता है।

नौकरी के साथ करें ये काम, 1 घंटे में होगी अच्छी कमाई

पैसे की जरूरत सभी को होती हैं। ऐसे में कई बार सैलरी के बाद भी हमें एक्स्ट्रा पैसों चाहिए होते हैं। हालांकि आप चाहे तो पार्ट टाइम काम करके भी काफी पैसे कमा सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप 1 घंटे पार्ट टाइम काम करके महीने के हजारों रुपये कमा सकती हैं।

कंटेंट राइटर

कंटेंट राइटर की जरूरत सभी कंपनी को होती है। ऐसे में आप चाहे तो डेली का एक घंटा कंटेंट राइटर के तौर पर नौकरी कर सकती हैं। हिंदी या अंग्रेजी किसी भी भाषा में आप कंटेंट लिखकर पोस्ट कर सकती हैं। एक लेख के लिए आप चाहे तो हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग का भी आप काम कर सकती हैं। अगर आपको वीडियो एडिटिंग का काम आता है तो किसी भी कंपनी के लिए या इंफ्लूएंसर के लिए आप वीडियो एडिटिंग का काम कर सकती हैं। वीडियो एडिटिंग के जरिए आप किसी एक वीडियो के लिए हजारों रुपये चार्ज कर सकती हैं।

कोचिंग क्लास

अगर आपका किसी भी विषय में अच्छी पकड़ है तो आपको उस विषय का बच्चों को कोचिंग क्लास देना चाहिए। इसके जरिए भी आप चाहे तो काफी अच्छी कमाई कर सकती हैं। एक घंटे की कोचिंग क्लास में आप चाहे तो 10 से 12 बच्चों को एक साथ ऑनलाइन क्लास दे सकती हैं। अगर आप प्रति स्टूडेंट 2 हजार भी चार्ज करती हैं तो आप काफी पैसे कमा सकती हैं।

ट्विटर अकाउंट करें मैनेज

किसी सेलिब्रिटी का आप ट्विटर अकाउंट भी मैनेज करके हजारों रुपये कमा सकती हैं। आपको केवल उनके तरफ से खास और इंटरेस्टिंग पोस्ट करना होगा। इस काम को करने के लिए आपको केवल 1 घंटे का समय चाहिए। इसके बदले आप हजारों रुपये की कमाई कर सकती हैं।

नौकरी करते समय भी पैसे कमाने के तरीके हैं एंजेल इन्वेस्टमेंट और म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट

नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, एंजेल इन्वेस्टमेंट और शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमा सकते हैं।

आज के दौर में, महंगाई बढ़ रही है और खर्च भी बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में केवल सैलरी पर निर्भर रहना मुश्किल हो सकता है। इसलिए, एक्स्ट्रा इनकम के स्रोत ढूंढना बेहतर विकल्प हो सकता है। इसके साथ ही आपके एंप्लॉयर को भी कोई ऐतराज नहीं होगा। अपनी स्किल्स और अनुभव का इस्तेमाल करके ऑनलाइन या ऑफलाइन फ्रीलांसिंग काम कर सकते हैं। नौकरी करते समय भी सैलरी से ज्यादा पैसे कमाने के कई तरीके हैं, इनमें से कुछ तरीके ये हैं ब्लॉगिंग, सोशल मीडिया पर पेड प्रमोशन, स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग, लेखन, वीडियो अपलोड करना, ईमेल मार्केटिंग, एफिलिएट मार्केटिंग एंजेल इन्वेस्टमेंट, दोस्तों-रिश्तेदारों को लोन देना, म्यूचुअल फंड, ज्योतिष या टैरो परामर्श देना, डिजिटल पाठ्यक्रम या ई-किताबें बनाना और बेचना वर्चुअल ट्यूशन या कोचिंग सत्र आयोजित करना, ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना, स्टॉक फ़ोटोग्राफ़ी या वीडियो बनाना और बेचना, पॉडकास्ट लॉन्च करना और वेबसाइट डोमेन नाम खरीदना और बेचना। इनके अलावा, आप ये काम भी कर सकते हैं

- ऑनलाइन पढ़ाना
- वेब डिज़ाइन
- वीडियो एडिटिंग
- ऑनलाइन सर्वेक्षणों में हिस्सा लेना
- फ़ोकस समूहों में शामिल होना
- टेम्पलेट और प्रीसेट जैसे डिजिटल उत्पाद बनाना और बेचना
- ई-किताबें लिखना और उन्हें अमेजन किंडल पर बेचना

दोस्त या रिश्तेदार को लोन देकर ज्यादा ब्याज कैसे कमाएं?

एफडी में निवेश करने पर आपको 7-8 फीसदी से ज्यादा ब्याज नहीं मिलता है, जबकि लोन पर आप 10-11 फीसदी ब्याज वसूल सकते हैं। लोन की रकम, ब्याज दर, चुकौती की अवधि और शर्तों आदि का उल्लेख करते हुए एक लिखित समझौता जरूर करें। यह समझौता दोनों पक्षों के हितों की रक्षा करेगा और किसी भी विवाद से बचाएगा। ब्याज दर तय करते समय बाजार की ब्याज दरों का ध्यान रखें। बहुत ज्यादा ब्याज दर लगाने से आपका रिश्ता खराब हो सकता है। अगर आप बड़ी रकम उधार दे रहे हैं, तो कानूनी सलाह लेना भी उचित होगा।

एंजेल इन्वेस्टमेंट हो सकता है बेहतर ऑप्शन

एंजेल इन्वेस्टमेंट, किसी व्यक्ति द्वारा किसी कंपनी में निवेश करने की प्रक्रिया है। आम तौर पर, यह निवेश किसी स्टार्टअप कंपनी में होता है जो विकास के शुरुआती चरण में होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी में इक्विटी के बदले में निवेश करते हैं। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी की संपत्ति पर कोई दावा नहीं करते और इसलिए, उनकी पूंजी असुरक्षित होती है। एंजेल इन्वेस्टर, कंपनी को सफल होने में मदद करने के लिए सलाह या प्रत्यक्ष प्रबंधन सहायता भी देते हैं। इन सबके साथ पैसे के लेन-देन को अपने रिश्ते से अलग रखें।

एंजेल नेटवर्क क्या करता है?

एंजेल नेटवर्क, कई एंजेल निवेशकों का एक समूह होता है। यह पूंजी निवेश से आगे निकलकर, स्टार्टअप्स को उद्योग विशेषज्ञता, सलाह, और मार्गदर्शन भी देता है। इससे स्टार्टअप्स को चुनौतियों से निपटने और सूचित फैसले लेने में मदद मिलती है। एंजेल नेटवर्क से फंडिंग पाने से स्टार्टअप की विश्वसनीयता बढ़ जाती है। इससे स्टार्टअप के लिए बाद के चरण में निवेश आकर्षित करना आसान हो जाता है। एंजेल नेटवर्क, नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाते हैं और स्थानीय स्टार्टअप सिस्टम में योगदान करते हैं। शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करके पैसिव इनकम कमाने के ये मुख्य तरीके हैं -

- डिविडेंड पाना
- पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से कमाई
- वितरित सेक्युरिटीज़ को लाभ पर बेच कर पूंजीगत लाभ

शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने के लिए, सही समय पर बाजार में प्रवेश करना जरूरी है। सबसे कम कीमत पर शेयर खरीदने से संभावित लाभ बढ़ता है। वहीं, जब शेयर की कीमत सबसे ज्यादा हो, तब उसे बेचना फायदेमंद होता है। कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में लाभांश का भुगतान करती हैं। डिविडेंड एक निश्चित राशि या कंपनी के मुनाफे का एक प्रतिशत हो सकता है।

म्यूचुअल फंड में इन्वेस्ट करने के लिए, 500 या 1,000 रुपये की SIP से शुरुआत की जा सकती है। इसमें साप्ताहिक, मंथली, तिमाही, या सालाना आधार पर SIP के विकल्प मिलते हैं। इसके साथ ही डायरेक्ट प्लान के तहत, सीधे म्यूचुअल फंड की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन निवेश किया जा सकता है। एडवाइजर, ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए भी पैसा लगाया जा सकता है। डायरेक्ट निवेश में फंड हाउस को कम चार्ज देना होता है। म्यूचुअल फंड में इन्वेस्टमेंट से होने वाली कमाई, पोर्टफोलियो के स्टॉक पर लाभांश या बॉन्ड के ब्याज से होती है।

कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत बेहतर विकल्प है फ्रीलांसिंग

देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के!

फ्रीलांसिंग की दुनिया भारत में बेशक बहुत समृद्ध ना रही हो, किंतु विश्व भर में इसका बड़ा प्रचलन है। एक से एक बड़ी वेबसाइटें इसका न केवल कारोबार करते हैं, बल्कि बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी कंपनियां फ्रीलांसर्स के माध्यम से अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को अपने टारगेट ऑडियंस तक पहुंचाती रही हैं। देखा जाए तो फ्रीलांसिंग कैरियर के लिहाज से अपेक्षाकृत एक बेहतर विकल्प है। इसमें कंपनियों को इंप्लाइज का बोझ नहीं होता और जरूरत के अनुसार वह एम्पलाई (फ्रीलान्सर्स) से काम ले सकते हैं, बिना किसी लायबिलिटी के! वहीं इंप्लाइज को भी इससे काफी फायदा होता है, क्योंकि एक फ्रीलांसर के तौर पर उनके पास आजादी होती है तो घर बैठे कार्य करने की सहूलियत भी उन्हें मिल पाती है। वह किसी एक कंपनी से बंधे नहीं रहते हैं, बल्कि अपॉर्चुनिटी के आधार पर और अपनी योग्यता के आधार पर ना केवल वह कार्य कर सकते हैं बल्कि उसी अनुरूप वह पेमेंट ले सकते हैं, और अपनी ग्रोथ सुनिश्चित कर सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति के पास ऑप्शन होता है तो वह निश्चित ही घर से कार्य करना चाहेगा। वह निश्चित ही फ्रीलांसिंग करना चाहेगा और ऐसा उसे करना भी चाहिए, क्योंकि ट्रेवल करते समय, ऑफिस जाते समय उसे कहीं ज्यादा खतरा होगा, बजाय घर बैठे फ्रीलांसिंग करने के!

पोर्टफोलियो बनाना आवश्यक

फ्रीलांसिंग की दुनिया अनुभव के आधार पर चलती है। इसमें अनजान लोग आपको मिलते हैं और उन्हीं के माध्यम से आप अपने कार्य को आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में अगर आपके पास पहले से पोर्टफोलियो तैयार ना हो, बेशक आप उस कार्य में जितने भी पारंगत क्यों ना हों, तो आपके लिए कार्य प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए अपने पोर्टफोलियो पर ज्यादा ध्यान दें। शुरुआत में बेशक आपको किसी वेबसाइट पर कम पैसे मिले, लेकिन पोर्टफोलियो बन जाने और कस्टमर रिव्यु मिलने के बाद आप मनचाहे रेट पर कार्य कर सकते हैं।

टाइमली डिलीवरी पर रहे ध्यान

ऑनलाइन फ्रीलांसिंग कार्य करने वालों से जो सबसे ज्यादा उम्मीद की जाती है, वह है किसी कार्य की टाइमली डिलीवरी! जी हाँ! अगर आप तय समय पर किसी चीज को डिलीवर करने का वादा करते हैं, बेशक वह कोई पोस्टर हो, कोई वेब डिजाइनिंग हो, कोई मोबाइल एप्लीकेशन हो या कोई आर्टिकल ही क्यों न हो, तो आपको निश्चित समय पर उसकी डिलीवरी सुनिश्चित करनी चाहिए। इसी प्रकार पैसे इत्यादि की शर्तें बेहद साफ होनी चाहिए, क्योंकि अगर कहीं कोई कस्टमर शिकायत करता है या गलत रिव्यु लिखता है तो संबंधित वेबसाइट पर आपकी प्रोफाइल के खराब होने का डर रहता है। खासकर जब एक से अधिक बार कस्टमर रिव्यु खराब मिलने पर नए कस्टमर आपसे जुड़ने से बचने लगेंगे, जो किसी भी फ्रीलांसर के लिए घातक होता है।

इंटरनेशनल मार्किट के लिए अंग्रेजी सीखें

यह कोई अनिवार्यता नहीं है, किंतु अगर आप लगातार इंग्लिश सीखते रहते हैं तो आपको बाकी दुनिया से कनेक्टिविटी बनाने में आसानी रहती है। बल्कि कई फ्रीलांसिंग वेबसाइट तो इसी आधार पर आपको कार्य देती हैं कि आपकी अंग्रेजी का ज्ञान बेहतर है। अगर अंग्रेजी पढ़ने, लिखने और बोलने में आप सिद्धस्त हैं तो आप आसानी से क्लाइंट की बातों को न केवल समझ पाएंगे बल्कि कम्युनिकेशन के माध्यम से उसे प्रभावित भी कर सकेंगे। ऐसे में बेशक अभी आपकी अंग्रेजी बेहतर ना हो, लेकिन अगर आप फ्रीलांसिंग वर्ल्ड में गंभीरता से अपना कैरियर बनाना चाहते हैं, तो अंग्रेजी बेहतर करने की ओर आपका ध्यान लगातार बने रहना चाहिए।

फाइनेंस मैनेजमेंट से जुड़े क्षेत्र में बनाएं कॅरियर

आज के समय में हर छोटी से लेकर बड़ी कंपनियों को अपने पैसे का प्रबंधन बेहद सावधानी से करना पड़ता है। उन्हें मनी मैनेजमेंट कुछ इस तरह करना होता है, ताकि वह अपने लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें और लाभ भी कमा सकें। इस लक्ष्यों को पूरा करने व वित्त संबंधी योजनाओं को बनाने के लिए उन्हें एक एक्सपर्ट की जरूरत होती है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय में फाइनेंशल एक्सपर्ट्स की डिमांड काफी बढ़ी है। अगर आपको लगता है कि आप पैसे का प्रबंधन बेहद ही कुशलतापूर्वक कर सकते हैं तो इस क्षेत्र में कदम बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कैसे बनें एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट-

क्या होता है काम

एक फाइनेंशियल एक्सपर्ट का मुख्य काम कंपनी की लागत में कटौती करके उनके लाभ को अधिकतम करना होता है। वे कंपनी की पॉलिसी और उनके लक्ष्यों के आधार पर आय और व्यय की योजनाएं बनाते हैं। ये वास्तव में एक फाइनेंशियल डॉक्टर होते हैं, जो किसी व्यक्ति या संगठन के फाइनेंशियल हेल्थ की देखभाल करने के लिए जिम्मेदार हैं, वित्तीय लक्ष्यों की क्रमबद्ध और व्यवस्थित उपलब्धि सुनिश्चित करते हैं। वित्तीय रिपोर्ट तैयार करना, निवेश गतिविधियों का मार्गदर्शन और समग्र धन प्रबंधन एक वित्तीय प्रबंधक के प्रमुख कर्तव्य हैं। वे वित्तीय रणनीतियों को विकसित करके अपने स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने में संगठन की मदद करते हैं। अगर किसी कंपनी का वित्तीय प्रबंधन बेहतर होता है तो मुश्किल हालातों में भी कंपनी का अस्तित्व संकट में नहीं आता।

एजुकेशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि फाइनेंस मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के पास वित्तीय विश्लेषण व रचनात्मक सोच का होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा उनके पास अच्छा संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स होना चाहिए। इतना ही नहीं, उन्हें वर्तमान वैश्विक- राष्ट्रीय वित्तीय परिदृश्य के बारे में ज्ञान को हमेशा अपडेट करते रहना चाहिए। साथ ही अच्छे गणितीय और विश्लेषणात्मक कौशल, नवीनतम कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का ज्ञान, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और संगठन कौशल उनके काम को काफी आसान बनाता है। चूंकि वित्तीय प्रबंधकों को एक फर्म में विभिन्न विभागों के साथ बड़े पैमाने पर काम करना पड़ता है, इसलिए व्यवसाय की व्यापक समझ आवश्यक है। किसी भी विदेशी भाषा में प्रवीणता इस पेशे में एक अतिरिक्त लाभ है।

योग्यता

भारत के अधिकांश बिजनेस स्कूल में एमबीए की पढ़ाई के दौरान फाइनेंस को अलग से पढ़ाया जाता है। इस प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए छात्र का ग्रेजुएट होना जरूरी है। एमबीए के अलावा आप इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, ग्रेजुएट व पोस्टग्रेजुएट कोर्स करके भी बतौर प्रोफेशनल काम कर सकते हैं। फाइनेंस मैनेजमेंट से संबंधित पाठ्यक्रमों में से कुछ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिसिस (सीएफए), चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी, सर्टिफाइड ट्रेजरी मैनेजर कोर्स, सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट कोर्स, सर्टिफाइड इन्वेस्टमेंट बैंकर कोर्स, सर्टिफाइड रिस्क एंड इंश्योरेंस मैनेजमेंट कोर्स आदि हैं। इन कोर्स को ज्वॉइन करने के लिए कामर्स या इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। सरकारी एजेंसियां, निजी कॉर्पोरेट और वित्तीय संगठन जैसे बैंक और बीमा उद्योग आदि अपने प्रतिष्ठानों में वित्तीय प्रबंधकों को नियुक्त करते हैं। यहां तक कि दान संगठनों जैसे गैर-लाभकारी संगठनों को भी एक वित्त प्रबंधकों की आवश्यकता होती है। हालांकि वित्त में एक संभावित उम्मीदवार से यह उम्मीद की जाती है कि वह किसी बड़े कॉर्पोरेट में जाने से पहले किसी भी छोटे संगठनों में कुछ पेशेवर अनुभव हासिल करे। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आप सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कॅरियर कोच कहते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके कार्य कौशल और अनुभव के आधार पर बढ़ती जाती है। एमबीए करने के पश्चात एक फ्रेशर 10000 से 30000 रूपए प्रतिमाह आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी 50000 रूपए से लेकर लाखों रूपए प्रतिमाह तक हो सकती है।

2 हफ्ते रुकी लड़ाई, 13000 महंगी हुई चांदी

सोना भी 3600 से ज्यादा उछला

नईदिल्ली, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हमले दो हफ्तों के लिए टालने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 6 प्रतिशत या 13,000 रुपये से अधिक बढ़कर 2,44,770 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि एमसीएक्स पर सोने की कीमत 2.4 प्रतिशत या 3600 रुपये से अधिक बढ़कर 1,53,944 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इंटरनेशनल मार्केट में भी स्पॉट गोल्ड 2.3 प्रतिशत चढ़कर 4,811.66 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया, जबकि अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 3.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,840 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बंद हुए। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह तेजी फिलहाल 'रिलीफ रैली' है। ब्लूमबर्ग ने एक्सपर्ट ताई वोंग के हवाले से बताया है कि सोने के लिए 4,930 डॉलर और 5,000 डॉलर के स्तर अहम रेजिस्टेंस बने रहेंगे। हालांकि, आगे की चाल इस बात पर निर्भर करेगी कि ईरान इस युद्धविराम का पालन करता है या नहीं। पाकिस्तान की मध्यस्थता से अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का रास्ता खुलता दिख रहा है। खबरों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच 10 अप्रैल को इस्लामाबाद में बातचीत शुरू हो सकती है। हालांकि, ईरान ने साफ किया है कि बातचीत का मतलब यह नहीं है कि तनाव पूरी तरह खत्म हो गया है। चांदी और अन्य धातुओं में भी तेजी सोने के साथ-साथ अन्य कीमती धातुओं में भी उछाल देखने को मिला। स्पॉट सिल्वर 4.3 प्रतिशत बढ़कर 76.08 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई। प्लैटिनम 2.4 प्रतिशत चढ़ा, जबकि पैलेडियम में 2.1 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। राहत के संकेत, लेकिन अनिश्चितता बरकरार ट्रंप के फैसले से फिलहाल बाजार को राहत जरूर मिली है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। आगे भी उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, क्योंकि बाजार अब अमेरिका-ईरान वार्ता और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर नजर रखे हुए है।

सोने के लिए ऊर्जा कीमतें और महंगाई बनी बड़ी चिंता

ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव अब भी बाजार के लिए बड़ा जोखिम बना हुआ है। अगर तेल की कीमतें फिर बढ़ती हैं, तो इससे वैश्विक महंगाई बढ़ सकती है और केंद्रीय बैंकों के लिए ब्याज दरों पर फैसला लेना मुश्किल हो जाएगा।

एक झटके में 1100 करोड़ रुपये बढ़ गई रेखा झुनझुनवाला की दौलत

टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन के शेयरों में तूफानी तेजी आई

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाइटन के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। टाइटन के शेयर बुधवार को बीएसइ में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 4470 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। टाइटन के शेयरों में यह तेज उछाल मार्च 2026 तिमाही के मजबूत बिजनेस अपडेट के बाद आया है। टाइटन के शेयरों में आई इस तेजी से दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला की दौलत एक झटके में 1100 करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़ गई है। शेयर मार्केट के 'बिग बुल' कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला का भी टाइटन फेवरिट स्टॉक रहा है।

दिग्गज इनवेस्टर रेखा झुनझुनवाला का टाइटन पर बड़ा दांव है। रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के 47,184,470 शेयर हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी में झुनझुनवाला की हिस्सेदारी 5.31 पर्सेंट है। टाइटन के शेयर

मंगलवार को 4230.70 रुपये पर बंद हुए थे। वहीं, कंपनी के शेयर बुधवार को 4470 रुपये पर जा पहुंचे हैं। यानी, बुधवार को कंपनी के शेयरों में 239.30 रुपये का उछाल आया है। इस तूफानी तेजी से रेखा झुनझुनवाला की नेटवर्थ एक झटके में 1129 करोड़ रुपये बढ़ गई है। रेखा झुनझुनवाला, दिग्गज निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी हैं। राकेश झुनझुनवाला का 14 अगस्त 2022 को निधन हो गया था।

टाइटन कंपनी का घरेलू ज्वैलरी सेगमेंट मार्च 2026 तिमाही में करीब 46 पर्सेंट बढ़ा है। तनिष्क ने भारत में 8 नए स्टोर्स जोड़े हैं। टाइटन का कंबाइंड रिटेल नेटवर्क 3603 स्टोर्स पहुंच गया है। कैरेटलेन में 24 पर्सेंट की ग्रोथ देखने को मिली है। वहीं, वॉचेज, आईकेयर और इमर्जिंग बिजनेस में क्रमशः 7 पर्सेंट, 16 पर्सेंट और 17 पर्सेंट की ग्रोथ देखने को मिली है। हालांकि, टाइटन की स्मार्ट वॉच कैटेगरी में 53 पर्सेंट की गिरावट आई है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले टाइटन का कंसॉलिडेटेड कंज्यूमर रेवेन्यू 46 पर्सेंट बढ़ा है। ब्रोकरेज फर्म सिटी ने टाइटन के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी है और कंपनी के शेयरों के लिए 4750 रुपये का टारगेट दिया है। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

एलआईसी के लाखों निवेशकों की चांदी, बोनस शेयर बांटने की तैयारी में बीमा कंपनी

अभी आईपीओ प्राइस से नीचे चल रहे हैं शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई है। एलआईसी के शेयर बुधवार को 7 पर्सेंट से ज्यादा के उछाल के साथ 803 रुपये पर पहुंच गए हैं। एलआईसी ने अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। बीमा कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर बांटने की तैयारी में है। एलआईसी के शेयर फिलहाल अपने प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 980.05 रुपये है। वहीं, एलआईसी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 722 रुपये है।

लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि सोमवार 13 अप्रैल को कंपनी के बोर्ड की बैठक है। इस मीटिंग में कंपनी के शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार किया

जाएगा। अभी तक अपने शेयरधारकों को कोई बोनस शेयर नहीं दिया है। अगर कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी देता है तो यह पहला मौका होगा, जब अपने निवेशकों को बोनस शेयर देगी। एलआईसी अब तक अपने शेयरधारकों को डिविडेंड्स के जरिए रिवॉर्ड देती आई है। करीब 21 लाख आम निवेशकों को मिल सकता है तोहफा लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 96.50 पर्सेंट है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 3.50 पर्सेंट है। अगर 2 लाख रुपये तक की नॉमिनल शेयर कैपिटल होल्ड करने वाले आम निवेशकों की बात करें तो उनकी संख्या फिलहाल 20,97,116 है। कंपनी में आम निवेशकों की हिस्सेदारी 1.52 पर्सेंट है। अगर टोटल पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बात करें तो इनकी संख्या 21,55,209 है। अगर पिछले एक साल की बात करें तो एलआईसी के शेयर करीब 3 पर्सेंट चढ़े हैं। वहीं, पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 10 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर लगभग फ्लैट हैं। यह 9 मई तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 949 रुपये था। एलआईसी के शेयर 8 अप्रैल 2026 को क्स्श्व में 803 रुपये पर पहुंच गए हैं। एलआईसी के शेयर अभी अपने आईपीओ प्राइस से भी नीचे ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी का आईपीओ टोटल 2.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 1.99 गुना दांव लगा था, जबकि एंप्लॉयीज का कोटा 4.4 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

शेयर मार्केट में रणबीर की फिल्म रामायण का असर! प्राइम फोकस ने दिया 320 प्रतिशत का रिटर्न, अभी भी दांव लगाने का मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। 'रामायण' फिल्म को लेकर बढ़ते क्रेज ने प्राइम फोकस के शेयरों को जबरदस्त उछाल दिया है, जिससे यह स्टॉक एक साल में करीब 320 प्रतिशत चढ़ गया। हालांकि लंबी अवधि में ग्रोथ की उम्मीद है, लेकिन इतनी तेज रैली के बाद निवेशकों को सतर्क रहकर फैसला लेना चाहिए। बॉलीवुड की मेगा बजट फिल्म रामायण इन दिनों सिर्फ सिनेमाघरों में ही नहीं, बल्कि शेयर बाजार में भी जबरदस्त हलचल मचा रही है। इस फिल्म से जुड़े उत्साह का सीधा फायदा प्राइम फोकस के शेयरों को मिला है, जिसमें रणबीर कपूर का भी निवेश है। पिछले एक साल में इस स्मॉलकैप स्टॉक ने करीब 320 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी दिखाई है, जिसने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। प्राइम फोकस लिमिटेड के शेयर 7 अप्रैल 2026 को 3 प्रतिशत टूटकर 339 पर पहुंच गए। दरअसल, अप्रैल 2025 में जहां यह शेयर करीब 85 रुपये के आसपास था, वहीं अब यह 350 रुपये से ऊपर पहुंच चुका है और हाल ही में 52 हफ्ते का हाई भी छू चुका है। इस तेजी की सबसे बड़ी वजह 'रामायण' फिल्म को लेकर बनी उम्मीदें हैं। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। इसका पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में आएगा। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। प्राइम फोकस की पहचान इसके शानदार विजुअल इफेक्ट्स और प्रोडक्शन क्वॉलिटी के लिए है। इसकी सहायक कंपनी ष्ठहृश्वत्र ने हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों जैसे टेनेट और ड्यून पार्ट वन में काम कर ऑस्कर भी जीते हैं। यही वजह है कि 'रामायण' को लेकर बाजार में काफी भरोसा दिख रहा है। डिजिटल राइट्स के लिए करीब 700 करोड़ रुपये का ऑफर ठुकरा दिया।

ईपीएफओ और ग्रेच्युटी में बढ़ोतरी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो अप्रैल 2026 से आपकी सैलरी स्लिप में बड़ा बदलाव दिख सकता है। सरकार द्वारा लागू किए गए नए लेबर रूल्स के तहत अब सैलरी स्ट्रक्चर को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है। इन बदलावों का सबसे अहम हिस्सा 50 प्रतिशत वेज रूल है, जिसका सीधा असर आपकी टेक-होम सैलरी, और ग्रेच्युटी पर पड़ेगा। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। नए नियमों के अनुसार, किसी भी कर्मचारी की कुल सैलरी में बेसिक सैलरी, डीए और रिटेनिंग अलाउंस मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत होना जरूरी है। पहले कई कंपनियां बेसिक सैलरी को कम रखकर बोनस और अन्य अलाउंस ज्यादा दिखाती थीं, जिससे कर्मचारियों की इन-हैंड सैलरी ज्यादा नजर आती थी। लेकिन, अब ऐसा करना संभव नहीं होगा। अगर अलाउंस 50 प्रतिशत से ज्यादा होते हैं, तो अतिरिक्त हिस्सा बेसिक सैलरी में जोड़ दिया जाएगा।

इस बदलाव का सबसे बड़ा असर पड़ेगा, क्योंकि कैलकुलेशन बेसिक सैलरी पर होता है, इसलिए बेसिक बढ़ने से में कर्मचारी और कंपनी दोनों का योगदान बढ़ जाएगा। सैलरी से ज्यादा कटौती होगी और आपका टेक-होम सैलरी थोड़ा कम हो सकता है। हालांकि, यह पैसा आपकी भविष्य की बचत को मजबूत करेगा। ग्रेच्युटी के नियमों में भी बड़ा बदलाव आया है। अब फिक्स्ड-टर्म और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को सिर्फ 1 साल की नौकरी के बाद भी ग्रेच्युटी का लाभ मिल सकेगा।

क्रूड ऑयल के गिरते ही रॉकेट बने आरआईएल, एचपीसीएल समेत कई स्टॉक्स

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में आई तेज गिरावट ने भारतीय ऑयल कंपनियों के शेयरों में बड़ा उतार-चढ़ाव पैदा कर दिया है। हाल ही में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ दो हफ्ते के सीजफायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में करीब 15-17 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार में ऑयल सेक्टर पर पड़ा, जहां कुछ कंपनियों के शेयर उछल गए तो कुछ में गिरावट देखने को मिली। आइए इसको जरा विस्तार से समझते हैं। तेल की कीमतों में गिरावट का सबसे ज्यादा फायदा डाउनस्ट्रीम कंपनियों को हुआ। इन कंपनियों का काम कच्चे तेल को रिफाइन करके पेट्रोल-डीजल बनाना होता है। जब कच्चा तेल सस्ता होता है, तो इनकी लागत घटती है और मुनाफा बढ़ता है। यही वजह है कि इनके शेयरों में 6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत तक की तेजी देखी गई। वहीं रिलायंस के शेयरों में भी बढ़त दर्ज हुई, क्योंकि इसका रिफाइनिंग बिजनेस भी इस ट्रेंड से फायदा उठाता है।

दूसरी ओर अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए यह गिरावट नुकसानदायक साबित हुई। ऑयल और नेचुरल गैस

कॉर्पोरेशन और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों के शेयर 8 अप्रैल 2026 को 3.43 प्रतिशत तक गिर गए। ये कंपनियां सीधे कच्चे तेल का उत्पादन करती हैं, इसलिए तेल की कीमत गिरने से उनकी कमाई पर असर पड़ता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कच्चे तेल में हर 1 डॉलर की गिरावट से के राजस्व पर 300-400 करोड़ रुपये का असर पड़ सकता है। इस पूरे घटनाक्रम की जड़ स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोज है, जो दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई का प्रमुख मार्ग है। इस क्षेत्र में तनाव कम होने से सप्लाई को लेकर डर घटा और कीमतें तेजी से नीचे आ गईं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि तेल की कीमतें अभी भी अस्थिर रह सकती हैं। अगर मिडिल ईस्ट में फिर से तनाव बढ़ता है, तो कीमतें दोबारा उछल सकती हैं। कुछ ब्रोकरेज फर्म्स का अनुमान है कि आने वाले समय में कच्चा तेल 85-90 डॉलर प्रति बैरल के बीच हो सकता है।

रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं, ईएमआई कम होने का अभी करें इंतजार

नईदिल्ली, एजेंसी। आरबीआई मौद्रिक नीति समिति की बैठक में लिए गए फैसलों का ऐलान गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कर दिया है। आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। यह 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा है। कमेटी ने यह फैसला सर्वसम्मति से लिया है।इसका मतलब है कि होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन सस्ता होने के लिए अभी और इंतजार करना है। या ईएमआई भी कम होने नहीं होगी।

आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी पर क्या कहा

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी अनिश्चितता का असर इकोनॉमिक आउटलुक पर पड़ रहा है। हेडलाइन मुद्रास्फीति नियंत्रित है और केंद्रीय बैंक के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। इस साल के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 पर्सेंट है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बताया जीडीपी ग्रोथ पहली तिमाही में 6.8 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि, अर्थशास्त्रियों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति अभी स्थिति पर नजर रखेगी। अगर तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहीं और महंगाई

बढ़ी, तो आने वाले समय में ब्याज दर बढ़ाई जा सकती है। फिलहाल रिजर्व बैंक महंगाई और आर्थिक वृद्धि दोनों को संतुलित रखने की कोशिश करेगा।

अपूर्व जावड़ेकर (मुथूट फिनकॉर्प की मुख्य अर्थशास्त्री) के अनुसार, आरबीआई जीडीपी वृद्धि में संभावित गिरावट और वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रख सकता है। उनके मुताबिक, फरवरी 2026 में महंगाई दर 3.21 प्रतिशत (कम) है, इसलिए आरबीआई के पास 'वेट एंड वॉच' वाली रणनीति अपनाने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा, 'रेट में ठहराव से भारत में वास्तविक ब्याज दरें गिरेंगी, जो फिलहाल ऊंची हैं। इससे पूंजीगत व्यय और खपत को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, आरबीआई रुपये को स्थिर करने के लिए रेपो रेट बढ़ाने का उपकरण इस्तेमाल नहीं करेगा। '

वहीं, यस बैंक ने अपनी रिपोर्ट 'इकोलॉग' में कहा है कि ब्याज दरों में कटौती का दौर खत्म हो चुका है। वजह यह है कि महंगाई बढ़ रही है, रुपये पर दबाव है और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सतर्क हो गए हैं। हालांकि, बैंक का कहना है कि फिलहाल रेट बढ़ोतरी भी तुरंत नहीं होगी, क्योंकि भारत कम महंगाई-उच्च वृद्धि वाली अच्छी स्थिति से इस संकट में प्रवेश कर रहा है। उनका अनुमान है कि सबसे खराब स्थिति में भी महंगाई 4.5-4.8 प्रतिशत रहेगी।

आरबीआई एमपीसी: कहां और कैसे देखें

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की द्वि-मासिक बैठक इस महीने 6 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक चलेगी। नीति का फैसला बुधवार, 8 अप्रैल को सुबह 10:00 बजे घोषित किया जाएगा। इसके बाद दोपहर 12:00 बजे गवर्नर संजय मल्होत्रा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। गवर्नर संजय मल्होत्रा का एमपीसी बयान आरबीआई के यूट्यूब चैनल पर 8 अप्रैल 2026 को सुबह 10:00 बजे लाइव प्रसारित किया जाएगा। आप उसी प्लेटफॉर्म पर उनका मीडिया संबोधन भी देख सकते हैं।

स्टॉक पिक्स: इन्फोसिस, गेल समेत 6 शेयरों में रह सकती है बड़ी हलचल

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में आज तूफानी तेजी की उम्मीदों के बीच निवेशकों की नजरें इन्फोसिस, गेल, अरबिंदो फार्मा, अदित्य बिड़ला रियल एस्टेट, प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स, क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी, जैसे शेयरों पर होंगी। ये स्टॉक अपने विभिन्न अपडेट्स के कारण आज खबरों में हैं।

शेयर मार्केट में आज तूफानी तेजी की उम्मीदों के बीच निवेशकों की नजरें इन्फोसिस, गेल, अरबिंदो फार्मा, अदित्य बिड़ला रियल एस्टेट, क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी, प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स जैसे शेयरों पर होंगी। एआई से सॉफ्टवेयर डिलीवरी में क्रांति

इन्फोसिस ने हार्नेस नामक एआई सॉफ्टवेयर डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी की है। इसका उद्देश्य दुनियाभर की कंपनियों में एजेंटिक एआई के जरिए सॉफ्टवेयर डिलीवरी को बदलना है। यह साझेदारी इंजीनियरिंग टीमों की उन समस्याओं को हल करेगी, जहां उनका अधिकतर समय टेस्टिंग, डिप्लॉयमेंट जैसे कामों में लग जाता है।

सरकारी कंपनी गेल ने ग्रीस की अल्फा गैस के साथ लंबी अवधिक का चार्टर समझौता किया है। यह समझौता 'एनर्जी फिडेलिटी' नाम के एलएनजी जहाज के लिए है, जिसकी क्षमता 1,74,000 घन मीटर है। इस जहाज का उपयोग अमेरिका और रूस जैसे देशों से एलएनजी आयात करने के लिए किया जाएगा। यह करार एथेंस में साइन किया गया। अरबिंदो फार्मा को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से डापाग्लिफ्लोज़िन और मेटफोर्मिन हाइड्रोक्लोराइड की एक्सटेंडेड-रिलीज टैबलेट बनाने और बेचने की अंतिम मंजूरी मिल गई है। ये टैबलेट एस्ट्राजेनेका की दवा 'जिग्डुओ एक्सआर' के समान हैं। इनका उत्पादन कंपनी की सहायक कंपनी हेल्थकेयर की यूनिट में होगा।

अदित्य बिड़ला रियल एस्टेट:1600 करोड़ की बुकिंग: कंपनी की सहायक कंपनी बिरला एस्टेट्स को गुरुग्राम के लक्जरी प्रोजेक्ट 'बिरला अरिका फेज 2' में जबरदस्त सफलता मिली है। लॉन्च के एक महीने के भीतर ही 1,600 करोड़ रुपये से अधिक की बुकिंग हो चुकी है। कुल 156 यूनिट में से 152 यूनिट बिक चुकी हैं।

ट्रंप के सीजफायर के ऐलान से कच्चे तेल में भारी गिरावट, 100 डॉलर के नीचे आया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सीजफायर पर सहमति बनने के बाद ग्लोबल ऑयल मार्केट में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इस समझौते के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मूज को फिर से खोलने की उम्मीद है, जिससे सप्लाई में रुकावटें कम होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसी उम्मीद में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से फिसलकर 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गई हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक तेल कीमतों में आई गिरावट बेहद तेज रही। ब्रेंट क्रूड करीब 16 प्रतिशत तक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट में पिछले छह वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह करीब 95 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। ट्रंप ने कहा कि यह सीजफायर पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलता है या नहीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पेश की गई युद्धविराम योजना को स्वीकार कर लिया गया है। अगले दो हफ्तों तक सुरक्षित समुद्री मार्ग सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, व्हाइट हाउस के अधिकारियों के मुताबिक इजरायल ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है, जिससे वैश्विक बाजारों को राहत मिली है। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल और स्नन्न का करीब 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बंद होने से ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी।हालांकि, कीमतों में गिरावट के बावजूद फरवरी के बाद से अब भी करीब 50 प्रतिशत ऊपर बना हुआ है, जो यह दिखाता है कि संकट पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। एक्सपर्ट रॉबर्ट रेनी के अनुसार, 'तेल सप्लाई तुरंत सामान्य नहीं होगी। बंद कुओं को फिर से शुरू करने, जहाजों की तैनाती और स्टॉक भरने में महीनों लग सकते हैं।'

वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर बनाए 39 रन

पारी में 5 छक्के 1 चौका, बुमराह-शार्दुल की पहली गेंद पर लगाया छक्का

वैभव-जायसवाल से हारी मुंबई

गुवाहाटी (एजेंसी)। आईपीएल का 13वां मैंच गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में इंडियंस (मुंबई) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच खेला जा रहा है। मुंबई ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। वैभव सूर्यवंशी 14 बॉल पर 39 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें शार्दूल ठाकुर ने तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से ओपनिंग करने उतरे वैभव ने अपनी पारी की शुरुआत छक्के से की। वैभव ने दूसरा ओवर डाल रहे जसप्रीत बुमराह की पहली बॉल पर छक्का लगाया। उसके बाद तीसरे गेंद पर सिक्स लगाया। पहले ओवर में उन्होंने 14 रन बनाए। इसके बाद बॉलिंग करने आए शार्दूल ठाकुर की पहली गेंद पर छक्का जड़ा। वैभव की पारी में 5 छक्के और 1 चौके शामिल हैं। बारिश के कारण ओवर्स में कटौती की गई है। अब 11-11 ओवर का मैच खेला जा रहा है। मुंबई में हार्दिक पंड्या और ट्रेंट बोल्ट वापसी कर रहे हैं।

वैभव के आईपीएळ में 30 सिक्स पूरे - वैभव, आईपीएल में अपने 30 सिक्स पूरे करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने कम गेंदों में रन बनाने के मामले में ईशान किशन को भी पीछे छोड़ दिया है। वे 19 साल या उससे कम उम्र में सबसे तेजी से इस आंकड़े तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सिर्फ 157 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया। ऋषभ पंत और ईशान किशन ने भी 30-30 सिक्स लगाए थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए काफी ज्यादा गेंदें खेलें। सीएसके के खिलाफ उन्होंने महज 15 गेंदों में 50 रन ठोक दिए थे। हालांकि, गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में वह 18 गेंदों पर 31 रन ही बना सके।

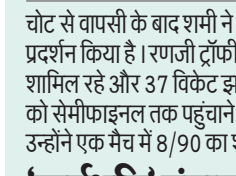

वैभव ने सिक्स लगाकर फिफ्टी पूरी की थी - चेन्नई के खिलाफ मैच खेलने आए वैभव का पहली ही गेंद पर कैच छूट गया था। वैभव सूर्यवंशी अपनी पहली बॉल पर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद हवा में थी। कार्तिक शर्मा गेंद के नीचे आए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। अगली गेंद पर सूर्यवंशी ने छक्का भी लगा दिया था। वैभव ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में छक्का लगाकर अपनी फिफ्टी पूरी की।

आईपीएल में सबसे कम उम्र के शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं वैभव

पिछले सीजन के आईपीएल ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को 1.10 करोड़ रुपए में खरीदा था। उस समय उनकी उम्र महज 13 साल 8 महीने थी, जिससे वे ऑक्शन में बिकने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। इस साल टीम ने उन्हें रिटेन किया है। वे पिछले सीजन में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने अपने डेब्यू मैच में ही केवल 35 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा था। इसी के साथ वो क्रिस गेल के बाद दूसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी बने थे। यह किसी भी भारतीय की ओर से आईपीएल में सबसे तेज शतक था। वैभव सूर्यवंशी ने अपने आईपीएल करियर की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा था।

बुमराह की गेंदों पर सूर्यवंशी के गगनचुंबी छक्के

दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने की जमकर तारीफ

आईपीएल 2026 में आरआर-मुंबई मुकाबले के दौरान युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह जैसे खतरनाक गेंदबाज के खिलाफ गगनचुंबी छक्के लगाकर सभी को चौंका दिया। उनकी इस निडर बल्लेबाजी ने न सिर्फ मैच का रुख बदला, बल्कि दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन को भी उनकी तारीफ करने पर मजबूर कर दिया ।सूर्यवंशी ने दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में शामिल बुमराह के खिलाफ भी बिना किसी डर के बल्लेबाजी की। उन्होंने पहली बार सामना करते हुए ही बुमराह के ओवर में दो छक्के जड़ दिए। उनकी इस बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और राजस्थान को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

हार के बाद हार्दिक पांड्या ने खास अंदाज में की वैभव सूर्यवंशी की तारीफ

गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के 13वें मैच बारिश ने खलल जरूर डाला लेकिन देरी से शुरू हुए मैच ने फैंस को पूरी तरह से रोमांचित किया। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और मुंबई इंडियंस (मुंबई) के बीच 11-11 ओवर का एक तेज-तर्रार मैच देखा जिसमें रॉयल्स ने शानदार जीत दर्ज की। मैच के बाद के दृश्यों में खेल भावना का एक ऐसा पल कैद हुआ जिसने दोनों टीमों की आपसी प्रतिद्वंद्विता को भी पीछे छोड़ दिया। मैच के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या राजस्थान के धमाकेदार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की पारी से काफी उत्साहित नजर आए और उन्होंने सूर्यवंशी को इसके लिए खास अंदाज में बधाई भी दी।एक वायरल हुए पल में पांड्या ने सिर्फ सूर्यवंशी से हाथ ही नहीं मिलाया बल्कि उन्होंने उस युवा खिलाड़ी की पीठ थपथपाई और एक प्यारी सी मुस्कान के साथ उसकी छाती पर हाथ रखा - यह उस युवा खिलाड़ी द्वारा शाम को खेली गई निडर और तूफानी पारी के लिए एक

'खास तारीफ़' थी। मैच के बाद के पांड्या ने 15 साल के इस खिलाड़ी की जमकर तारीफ की।

पांड्या ने कहा, यह देखना काफी दिलचस्प है कि 16 या 17 साल का एक लड़का जिस तरह से खेला, वह काफी शानदार था। साथ ही मैच की तैयारी के दौरान उसके बारे में इतनी ज़्यादा चर्चा करना (किसी सपने जैसा) था। तो हां, जिस तरह से वह बल्लेबाजी करता है, जिस तरह की निडरता उसमें है, और जिस तरह के शॉट्स वह खेलता है, उसे देखना बहुत बढ़िया लगा। मैं उसके भविष्य के लिए उसे ढेर सारी शुभकामनाएं देता हूं।सूर्यवंशी ने 14 गेंदों में 39 रनों की छोटी लेकिन तूफानी पारी खेली जिसमें दो चौके और 5 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उसका 278.57 का स्ट्राइक रेट मुंबई के गेंदबाजों को हैरान-परेशान कर गया और विपक्षी कप्तान को यह मानना ??पड़ा कि मैच से पहले की उनकी रणनीतिक बैठकों में इस युवा खिलाड़ी पर ही सबसे ज़्यादा चर्चा हुई थी।

एसए 20 में नहीं लागू होगा 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम, ग्रीम स्मिथ ने बताई बड़ी वजह

नईदिल्ली (एजेंसी)। ग्रीम स्मिथ ने आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया कि स्न्20 लीग इस नियम को लागू नहीं करेगी। स्मिथ का मानना है कि यह नियम खेल के संतुलन को बिगाड़ता है और खासकर ऑलराउंडर्स की भूमिका को कमजोर करता है।

ऑलराउंडर्स पर पड़ रहा असर

स्मिथ ने बताया कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण ऑलराउंडर्स सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, इम्पैक्ट प्लेयर नियम चर्चा का बड़ा विषय रहा है। इसके कुछ फायदे हैं, लेकिन इससे कप्तानी की बारीकियां कम हो जाती हैं और ऑलराउंडर्स परेशान हो रहे हैं क्योंकि उनकी भूमिका कम अहम हो जाती है।

एसए 20 ने क्यों लिया अलग रास्ता

एएस20 ने इस नियम को अपनाने से दूरी बनाई है, क्योंकि लीग अभी अपने शुरुआती दौर में है और नए दर्शकों को जोड़ने पर ध्यान दे रही है। स्मिथ ने कहा, हमने इस नियम से दूर रहने का फैसला किया है क्योंकि हम नए दर्शकों के लिए खेल को आसान बनाना चाहते हैं। हम इसे ज्यादा जटिल नहीं बनाना चाहते।

ऑलराउंडर्स के विकास पर फोकस

स्मिथ का मानना है कि इस नियम के बिना दक्षिण अफ्रीका बेहतर ऑलराउंडर्स तैयार कर सकता है। उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका को फिर से ऑलराउंडर्स तैयार करने की जरूरत है। अब हमारे पास मार्को यानसन जैसे खिलाड़ी उभर रहे हैं, जो भविष्य के लिए अहम हैं।

'हम मजदूर आदमी हैं', चयन विवाद के बीच मोहम्मद शमी का बड़ा बयान

नईदिल्ली (एजेंसी)। मोहम्मद शमी ने टीम इंडिया में चयन को लेकर चल रही बहस के बीच बड़ा बयान दिया है। लगातार शानदार प्रदर्शन के बावजूद राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे शमी ने अपने अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा, हम मजदूर आदमी हैं, हमें बस गेंद डालनी है। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन मेहनत कभी नहीं छोड़नी चाहिए।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन से किया प्रभावित

आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर ज्वाइंट के लिए खेलते हुए शमी ने हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। उन्होंने 2 विकेट लेकर सिर्फ 9 रन दिए और 18 डॉट बॉल डालीं। इस शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम को सीजन की पहली जीत मिली।

ईडन गार्डन्स पर खेलने को लेकर उत्साहित

अब शमी अपने 'होम ग्राउंड' ईडन गार्डन कोलकाता किंग्सनाइट राइडर के खिलाफ खेलने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ईडन गार्डन्स पर खेलने का हमेशा फायदा मिलता है। यहां की पिच और कंडीशन को मैं अच्छी तरह समझता हूं, इसलिए लोकल होने का थोड़ा एडवांटेज जरूर रहेगा।

घरेलू क्रिकेट में भी लगातार शानदार प्रदर्शन

चोट से वापसी के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में भी दमदार प्रदर्शन किया है। रणजी ट्रॉफी में वह टॉप विकेट-टेकर्स में शामिल रहे और 37 विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी ने बंगाल को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जहां उन्होंने एक मैच में 8/90 का शानदार प्रदर्शन भी किया।

'कर्मभूमि' बंगाल के लिए खेलना जारी रखेंगे

शमी ने बंगाल के साथ अपने जुड़ाव को खास बताते हुए कहा कि यह उनकी 'कर्मभूमि' है। उन्होंने साफ किया कि जब तक उनके अंदर खेलने की ताकत है, वह बंगाल के लिए खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा, मैं किसान परिवार से हूं और अपनी जड़ों को नहीं भूला हूं। जब तक मेरे अंदर खेलने की जान है, मैं बंगाल के लिए खेलता रहूंगा।

एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप

आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड नंबर-7 लिन शी फेंग को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में चल रही एशियाई चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर करते हुए शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन शी फेन्ग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। यह जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बेहद खास मानी जा रही है।

सीधे गेम में शानदार जीत - विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 21-16 से जीत हासिल की। उन्होंने पूरे मैच में शानदार नियंत्रण और आत्मविश्वास दिखाया, जिससे टॉप रैंकिंग वाले खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं मिला।

- **पहले गेम में शानदार वापसी** - मैच की शुरुआत में लिन शी फेंग ने 4-1 की बढ़त बना ली थी। लेकिन आयुष ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर लिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाए और धीरे-धीरे मैच पर पकड़ मजबूत करते हुए पहला गेम अपने नाम कर लिया।
- **दूसरे गेम में पलटा मुकाबला** - दूसरे गेम में भी चीनी खिलाड़ी ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 12-9 की बढ़त बना ली थी। लेकिन आयुष ने यहां से जबरदस्त वापसी की और लगातार 6 अंक जीतकर स्कोर 18-13 कर दिया। अंत में उन्होंने संयम बनाए रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

खिताब के दावेदार को किया बाहर

लिन शी फेंग इस टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन आयुष ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया। यह जीत उनके करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है और इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

भारतीय बैडमिंटन के लिए अहम उपलब्धि

भारत के लिए यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि 1965 के बाद से कोई भी भारतीय खिलाड़ी पुरुष एकल में एशियाई चैंपियनशिप का खिताब नहीं जीत पाया है। आखिरी बार दिनेश खन्ना ने यह खिताब जीता था, जिसके बाद से भारत इस श्रेणी में खिताब का इंतजार कर रहा है।

डबल्स में भी भारत की स्थिति

पुरुष युगल में भारत को झटका लगा है क्योंकि स्टार जोड़ी Satwiksairaj Rankireddy और Chirag Shetty इस बार चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इस जोड़ी ने 2023 में एशियाई चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रचा था।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम को नया कोच, क्रिसपिन छेत्री को फिर मिली अहम जिम्मेदारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। आल इंडिया फुटबाल फेडरेशन ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में क्रिसपिन छेत्री की फिर से नियुक्ति की है। यह फैसला आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। छेत्री अब टीम की कमान संभालते हुए नए सिरे से तैयारी शुरू करेंगे।

अमेलिया वाल्वरडे की जगह संभाली जिम्मेदारी - क्रिसपिन छेत्री ने स्पेन की कोच अमेलिया वाल्वरडे की जगह ली है। वाल्वरडे का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था। उनका कार्यकाल एएफसी महिला एशियन कप में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद खत्म हुआ, जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी।

एशियन कप में खराब प्रदर्शन बना कारण - भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एएफसी महिला एशियन कप में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। करीब दो दशकों बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करने वाली टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई और एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई, जिसके बाद कोचिंग बदलाव का फैसला लिया गया।

फीफा सीरीज 2026 की तैयारी जारी - इस समय भारतीय महिला टीम फीफा सीरीज 2026 के लिए केन्या की राजधानी नैरोबी में मौजूद है। नई कोचिंग टीम के साथ खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

क्रिसपिन छेत्री ने इस फ्रेंडली टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्यीय टीम का चयन किया है। कोचिंग स्टाफ में सुजाता कर को असिस्टेंट कोच बनाया गया है, जिन्हें 2025 में एआईएफएफ महिला कोच ऑफ द ईयर चुना गया था। वहीं फैसल के बीपू गोलकीपिंग कोच की भूमिका निभाएंगे।

छेत्री पर फिर से भरोसा

छेत्री पहले भी टीम के साथ काम कर चुके हैं और 2026 एशियन कप क्वालिफायर में टीम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए एआईएफएफ ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है, ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, सलिमा टेटे को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। हाकी इंडिया ने अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 13 से 17 अप्रैल 2026 तक ब्यूनस आयर्स में खेला जाएगा। यह चार मैचों की सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि आगे स्न्ह्रढ्ढ॥ हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट होने वाले हैं।

अनुभव और युवा खिलाड़ियों का संतुलन - इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला है। मुख्य कोच सजोर्ड मेरीजेन ने टीम चयन में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है। यह दौरा सिर्फ तैयारी नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने का बड़ा मौका भी है।

सलिमा टेटे को मिली कप्तानी - मिडफील्डर सलिमा टेटे टीम की कप्तानी करेंगी। वह अपनी तेज़ी, समझदारी और आक्रामक खेल के लिए जानी जाती हैं।उनकी अगुवाई में टीम एक मजबूत प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी।

दीपिका की वापसी से बढ़ी ताकत - फॉरवर्ड दीपिका की टीम में वापसी सबसे बड़ी खबरों में से एक है। चोट से उबरने के बाद वह टीम में लौटी हैं और ड्रैग-फ्लिकर के रूप में अहम भूमिका निभाएंगी। कोच ने भी उनकी वापसी को टीम के लिए बड़ा प्लस पॉइंट बताया है।

सविता की वापसी, गोलकीपिंग मजबूत - अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की वापसी से टीम की डिफेंस मजबूत हुई है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड में बड़ा बदलाव, तमीम इकबाल को मिली बड़ी जिम्मेदारी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में बड़ा प्रशासनिक बदलाव देखने को मिला है। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर तमीम इकबाल को एड-हॉक कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने अमिनुल इस्लाम के नेतृत्व वाले बोर्ड को भंग करने के बाद यह फैसला लिया।

चुनाव में गड़बड़ी के आरोप के बाद कार्रवाई

यह फैसला पिछले साल हुए बीसीबी चुनाव में अनियमितताओं के आरोपों के बाद लिया गया। खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी, कदाचार और सत्ता के दुरुपयोग के संकेत पाए। रिपोर्ट सामने आने के बाद ह्रस्ष्ट ने तत्काल प्रभाव से बोर्ड को भंग कर नई अंतरिम कमेटी का गठन कर दिया।

जांच रिपोर्ट आईसीसी को भी सौंपी गई

खेल परिषद के अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि जांच रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भी भेज दी गई है। इसके साथ ही 11 सदस्यीय नई अंतरिम समिति की जानकारी भी साझा की गई है। स्पोर्ट्स डायरेक्टर अमिनुल एहसान ने

पुष्टि की कि चुनाव प्रक्रिया में कई खामियां पाई गईं, जिसके चलते यह बड़ा फैसला लेना पड़ा।

चुनाव से पहले ही उठे थे सवाल

चुनाव से पहले ही तमीम इकबाल और ढाका के कई क्लब प्रतिनिधियों ने प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव में बाहरी हस्तक्षेप हो रहा है। तमीम ने यह भी कहा था कि नामांकन की तारीख दो बार बढ़ाई गई, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। इसी वजह से उन्होंने 1 अक्टूबर को चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया था।

नई कमेटी में बड़े नाम शामिल

37 वर्षीय तमीम इकबाल इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा व्यक्ति बन गए हैं। उनके साथ पूर्व कप्तान मिनहाजुल आबेदीन और पूर्व क्रिकेटर-टिप्पणीकार अतहर अली खान भी इस अंतरिम कमेटी का हिस्सा हैं। इसके अलावा प्रशासनिक और कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े कई अन्य सदस्यों को भी इस टीम में शामिल किया गया है।

बीसीबी में लगातार बढ़ रहा था संकट

बीते कुछ महीनों से बीसीबी में अस्थिरता का माहौल बना हुआ था। अमिनुल इस्लाम ने दबाव के बावजूद पद छोड़ने से इनकार किया था। वहीं, बांग्लादेश टीम का टी20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन और बोर्ड में राजनीतिक पक्षपात के आरोपों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया।

इस्तीफों से बढ़ा संकट

पिछले हफ्ते ही चार निदेशकों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। जनवरी से अब तक कुल छह अधिकारी पद छोड़ चुके हैं, जिससे बोर्ड में संकट और गहरा गया। इन घटनाओं ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश क्रिकेट प्रशासन बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

कायस्थ चित्रांश समागम में एकता का ऐतिहासिक संदेश, समाज संगठन का लिया संकल्प

भोपाल, नप्र। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जिला रायसेन द्वारा आयोजित भव्य कायस्थ चित्रांश समागम में समाज की एकता, संगठन और सामूहिक सहभागिता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चित्रांश समाज के भाई-बहन, युवा, मातृशक्ति एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन ऐतिहासिक बन गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के लोकप्रिय कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष माननीय विश्वास कैलाश सारंग एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री अजय श्रीवास्तव (नीलू) एवं प्रदेश महामंत्री बृजेश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अतिथि के रूप में प्रांतीय सह संगठन मंत्री श्री दिनेश श्रीवास्तव सहित भोपाल से पधारे अनेक चित्रांश बंधु एवं बहनें कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि विश्वास कैलाश सारंग जी ने समाज को एकजुट होने का संदेश देते हुए युवाओं से आगे बढ़कर समाजहित में कार्य करने का आवाहन किया। उन्होंने रायसेन टीम द्वारा बाड़ी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज संगठन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव ने चित्रांश समाज से अपील की कि समाज को संगठित करने के लिए सभी को मिलजुलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की एकता ही राष्ट्र को मजबूत करेगी तथा सनातन संस्कृति के संवर्धन में भी सहायक सिद्ध होगी। साथ ही उन्होंने युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने हेतु सभी से सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथि श्री अजय श्रीवास्तव नीलू ने महासभा की राष्ट्रीय स्तर पर हो रही गतिविधियों पर अपने उद्बोधन में स्पष्ट किया वहीं प्रांतीय महामंत्री बृजेश श्रीवास्तव ने सभी लोगों को मिलजुल कर कार्य करने हेतु आवाहन किया । कार्यक्रम में चित्रांश समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया तथा राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त चित्रांश बेटी का विशेष सम्मान किया गया। इसके अतिरिक्त पत्रकारों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में राजनीतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, प्रांतीय उपाध्यक्ष रामगोपाल श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष रामकृपाल श्रीवास्तव, प्रदेश संयोजक पंकज श्रीवास्तव, महिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष हिमांशु श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, अर्पित श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव, साहिल श्रीवास्तव सहित अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

विकासखंड स्तरीय बैठक एवं जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल, नप्र। भोपाल के बैरसिया में विकासखंड स्तरीय बैठक का आयोजन स्थानीय रेस्ट हाउस में किया गया। बैठक में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद भोपाल संभाग समन्वयक श्री वरुण आचार्य द्वारा सभी नवांकुर संस्थाओं से जल गंगा संवर्धन अभियान एवं जल संरक्षण की कार्ययोजना गए तथा आगामी जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी और आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। जिला समन्वयक श्रीमती कोकिला चतुर्वेदी ने सभी प्रतिभागियों के कार्यों की गहन समीक्षा की एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक के पश्चात ग्राम विरहाश्यामखेड़ी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के साथ जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित समस्त ग्रामवासियों एवं सदस्यों को जल संरक्षण हेतु जल शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के समापन पर विरहाश्यामखेड़ी डेम पर जल संरक्षण हेतु श्रमदान की कार्ययोजना तैयार की गई, जिसमें सभी की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक श्रीमती टीना शर्मा, समस्त नवांकुर प्रतिनिधि, मेंटर्स एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शराब दुकान के विरोध में सड़कों पर उतरे छात्र

एबीव्हीपी का उग्र प्रदर्शन, शराब दुकान पर फेंके पत्थर, मौके पर पुलिस बल मौजूद

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में छात्र शराब दुकान के विरोध में सड़कों पर उतर गए हैं। दरअसल एमएलबी कॉलेज के पास शराब दुकान का विरोध छात्र छात्राओं द्वारा किया जा रहा है। जिसे लेकर छात्रों ने दुकान पर पत्थर फेंके हैं। आपको बता दें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता भी यहां मौजूद हैं। ABVP का उग्र प्रदर्शन जारी है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। जानकारी के अनुसार प्रर्दशन के दौरान छात्राएं बैग में पत्थर भरकर लाई और शराब दुकानों पर फेंकने लगी। छात्रों ने शराब दुकान पर डंडे बरसाए। इस उग्र प्रदर्शन को काबू करने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। और प्रदर्शनकारियों को काबू में करने की कोशिश की जा रही है।

छात्राओं का आरोप नशेड़ी करते हैं छेड़छाड़

प्रदर्शन कर रही छात्राओं का आरोप है कि यहां एक साल से शराब की दुकान है। जिसे बंद करने का विरोध किया जा रहा है। पर सरकार इस पर किसी तरह का एक्शन नहीं ले रही है। छात्राओं का कहना है यहां लड़के शराब पीकर ग्राउंड पार करके कॉलेज में आते हैं और लड़कियों से छेड़छाड़ करते हैं। विद्या के मंदिर के पास इस तरह शराब की दुकान बंद कर देनी चाहिए।

छात्राओं की मांग पर हटाया बोर्ड

छात्राओं द्वारा किए गए उग्र प्रदर्शन के बाद शराब दुकान पर लगे बोर्ड को पुलिस के द्वारा हटाया गया है। आपको बता दें एमएलबी कॉलेज रोड पर प्रदर्शन के दौरान लंबा जाम लगा रहा है। गाड़ियों की आवाजाही भी कुछ देर के लिए रोक दी गई है।

स्टूडेंट के लिए बड़ी पहल

कॉलेजों में शुरु होंगे इंजीनियरिंग के नए कोर्सेस

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही राज्य सरकार और तकनीक शिक्षा विभाग ने अब गुणवत्ता पर भी फोकस बढ़ा दिया है। प्रदेश के कई कॉलेजों ने इंजीनियरिंग की नई ब्रांच शुरु करने की इच्छा जताई है। इससे प्रदेश के स्टूडेंट की सुविधा बढ़ जाएगी। हालांकि इसके लिए कॉलेजों को सख्त हिदायत दी गई है। इंजीनियरिंग की नई ब्रांच शुरू करने सरकार ने साफ कर दिया है कि संबंधित कॉलेज में पहले से चल रही ब्रांच में कम से कम 50 प्रतिशत सीटों पर एडमिशन होना अनिवार्य होगा। जिन कॉलेजों में सीटें खाली रह रही हैं, उन्हें नई ब्रांच खोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार ने इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के नियमों में राहत भी दी है। अब प्रदेश में एक एकड़ जमीन में भी कॉलेज खोला जा सकेगा। प्रदेश में फार्मेसी कोर्सेस के प्रति भी विद्यार्थियों की रुचि में इजाफे को देखते हुए नए फार्मेसी कॉलेज खोलने के लिए भी लोग बेकरार हैं।

एमपी में कई कॉलेजों में इंजीनियरिंग की नई ब्रांच शुरू करने की कवायद की जा रही है। पर सरकार ने इसपर सख्त रुख दिखाया है। कई कॉलेजों में सीटें खाली रहने के बावजूद नई ब्रांच शुरू करने की मांग की जा रही थी। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने इसपर रोक लगा दी है। सरकार का कहना है कि पहले 50 प्रतिशत दाखिला दिखाओ, तब इंजीनियरिंग की नई ब्रांच खुल सकेगी।

छोटे शहरों और कस्बों में नए संस्थान खुलने की संभावना: दूसरी ओर एआइसीटीई इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के नियमों में इस साल भी राहत जारी रखी गई है। अब एक एकड़ जमीन में भी कॉलेज खोला जा सकेगा। इससे छोटे शहरों और कस्बों में नए संस्थान खुलने की संभावना बढ़ेगी। कम जमीन की बाध्यता हटने से निवेशकों की रुचि भी बढ़ रही है।

तकनीकी शिक्षा विभाग को प्रदेश में नए फार्मेसी कॉलेज खोलने के लिए 19 आवेदन प्राप्त: प्रदेश में फार्मेसी कोर्सेस के प्रति भी विद्यार्थियों की रुचि में इजाफा हो रहा है। इसको देखते हुए नए फार्मेसी कॉलेज खोलने के लिए भी लोग आगे आ रहे हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार विभाग को प्रदेश में नए फार्मेसी कॉलेज खोलने के लिए 19 आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी आवेदनों की जांच की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा ऐसे संस्थानों की पात्रता, संसाधन और नियमों के अनुसार ही मंजूरी दी जाएगी।

भोपाल में पुलिस बैंड द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से किया जाएगा प्रचार-प्रसार

पुलिस बैंड की मनमोहक प्रस्तुति 8 अप्रैल से 19 अप्रैल तक भोपाल के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आरक्षक बैंड भर्ती 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया दिनांक 05 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 19 अप्रैल 2026 तक संचालित की जा रही है। भर्ती के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश सातवीं वाहिनी पुलिस बैंड द्वारा 08 अप्रैल से 19 अप्रैल तक शाम 5:30 बजेसे 6:30 बजे तक भोपाल के बोट क?लब, नेहरू नगर, रॉयल मार्केट के समीप, शाहपुरा लेक, कमला नगर, टी टी नगर बस स्टॉप, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन, डीबी मॉल परिसर एवं कमला पार्क भोपाल में देशभक्ति एवं अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

बैंड प्रभारी श्रीमती कमला रावत ने बताया कि पुलिस बैंड द्वारा देश भक्ति सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। यह कार्यक्रम सभी नागरिकों के लिए आयोजित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस बैंड के अंतर्गत आरक्षक (बैंड) के कुल 679 पदों पर सीधी भर्ती वर्ष 2026 हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया विशेष रूप से पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आयोजित की जा रही है।इन पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी दिनांक 05 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2026 तक एमपी ऑनलाइन की वेबसाईट https://iforms.mponline.gov.in पोर्टल के माध्यम से अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। भर्ती के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से 9 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें 08 अप्रैल को बोट क?लब, 09 अप्रैल को नेहरू नगर, 10 अप्रैल को रॉयल मार्केट के समीप, 12 अप्रैल को शाहपुरा लेक, 13 अप्रैल को कमला नगर, 14 अप्रैल को टीटी नगर बस स्टॉप, 16 अप्रैल को रानी कमलापति रेल्वेस्टेशन, 18 अप्रैल को डीबी मॉल परिसर एवं 19 अप्रैल को कमला पार्क भोपाल में पुलिस बैंड द्वारा देशभक्ति एवं अन्य गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। मध्यप्रदेश पुलिस युवाओं से अपील करती है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करें तथा पुलिस बैंड का हिस्सा बनकर देश सेवा में योगदान दें।

मैंगनीज, बाक्साइट जैसे महंगे खनिजों से मालामाल होगा एमपी, शुरू होगा खनन

भोपाल, नप्र। मध्यप्रदेश में प्रचुर खनिज हैं। इनमें मैंगनीज, बाक्साइट जैसे महंगे खनिज भी शामिल हैं। कई जगहों पर दुर्लभ खनिज भी मिले हैं। प्रदेश में खनिजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अब बंद पड़ी खदानों में भी दोबारा खनन शुरू करने की तैयारी की जा रही है। इससे राजस्व बढ़ने के साथ खनिजों की आवक भी बढ़ेगी। मप्र स्टेट माइनिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने फिलहाल 6 जिलों में बंद पड़ी सात खदानों में खनिजों की खोजबीन शुरू कराने की तैयारी की है। इनमें मुख्यतः बॉक्साइट, मैंगनीज और लाइमस्टोन की खदानें शामिल हैं। यहां पर पहले यह देखा जाएगा कि अभी कितना खनिज भंडार मौजूद है। इसके बाद इन खदानों की दोबारा नीलामी की जाएगी। अन्य बंद पड़ी खदानों को भी दोबारा खनन के लिए खोजा जा रहा है। माइनिंग कॉरपोरेशन चिह्नित की गई सात बंद खदानों में बोरहोल और ड्रिलिंग कराकर खनिज के सैंपल एकत्रित करने के लिए एजेंसियों का चयन कर रहा है। कॉरपोरेशन के साथ पहले से काम कर रही कंपनियों में से ही इसके लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं। कंपनियां कॉरपोरेशन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगी और बंद पड़े इन खनिज ब्लॉक्स में तय दूरी तक ड्रिलिंग कर खनिजों की मात्रा का आकलन करेंगी।

माइनिंग कॉरपोरेशन बंद खदानों में करा रहा एक्सप्लोरेशन

खदानों से सैंपल लेकर क्वालिटी और कवांटिटी की होगी जांच: कॉरपोरेशन के अधिकारियों अनुसार, सैंपलिंग के लिए इन सातों ब्लॉक में 20 बोरहोल्स कर कुल 660 मीटर ड्रिलिंग की जाएगी। सभी ब्लॉक से 462 सैंपल एकत्रित कर संबंधित एजेंसी देगी।

जीआरपी भोपाल ने 3 राज्यों को खंगाल कर बरामद की चोरी गई 4,15000 रु. की मशीन

कटक (उडीसा), कलकत्ता (बेस्ट बंगाल) और गुवाहाटी(असम) तक दबिश

भोपाल, नप्र। जीआरपी भोपाल ने 03 राज्यो कटक (उडीसा),कलकत्ता (बेस्ट बंगाल) और गुवाहाटी(असम) तक दबिश दे चोरी हुई 4,15000 रु की मशीन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। चोरी हुई लाइका कंपनी की टोटल स्टेशन सर्वे मशीन। भोपाल रेलवे ब्रिज कंस्ट्रक्शन साइड से चोरी कर ले गया था एल एंड टी कम्पनी का एम्प्लोय बताकर आया कर्मचारी 7 मशीन खरीदार पर भी की कार्यवाही। जो उसे बांग्लादेश बेचने के फिराक में था। ख़रीददार ने दो दिन पुलिस को किया गुमराह।

आरोपी आर्थिक तंगी से परेशान होकर भोपाल आकर मौका पा चोरी कर ले गया सर्वे मशीन। लाइका निर्माता कंपनी से संपर्क कर मशीन का उपयोग करने ,खरीदने व बेचने की सुचना तकनीक से आरोपी तक पहुची पुलिस । रेल इकाईभोपाल मे पंजीबद्व चोरी के मामले मे श्रीमान राहुल कुमार लोढा पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल वर्तमान उ.पु.म.नि.रेल के कुशल मार्ग दर्शन मे एवं श्रीमती नीतू डावर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल एवं रामस्नेही चौहान उप पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल द्वारा दिये निर्देशों के पालन मे थाना प्रभारी निरी जहीर खान के कुशल नेतृत्व मे टीम गठित कर थाना जीआरपी भोपाल के अप-क्र-अप-क्र 159ञ26 धारा 305(सी) बीएनएस मे मामले का खुलासा किया गया है। घटना 19 फरबरी 2026 की है। फरियादी अजमेर सिंह निवासी खुरई जिला सागर हाल सुपरवायजर रेलवे ब्रिज निर्माण सेड निशातपुरा ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि उपरोक्त साइड से इंजीनीयर के अवकाश के जाने के बाद रखे टोटल सर्वे लाइका मशीन बोक्स से कोई अज्ञात बदमाश मशीन निकाल कर चोरी कर ले गया है। आज दिनाक को मशीन बॉक्स खोलने पर मशीन चोरी का पता चलने पर रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम किया गया। मशीन की तलाश हेतु टीम गठित कर विवेचना के दौरान लाइका निर्माता कंपनी से संपर्क कर मशीन का उपयोग करने ,खरीदने व बेचने की सुचना तकनीक कि मदद से उपरोक्त मशीन का उडीसा राज्य के कटक में मशीन सुधारक सनोज साहू को बेचने की कोशिस करते पूछताछ पर बेचने वाले व्यक्ति के इनपुट के आधार पर पहुंचे। जंहा से प्राप्त सुचना के आधार पर बेस्ट बंगाल राज्य के कलकत्ता में खरीददार संदीप पिता अमल कुमार शाह उम्र 53 निवासी वाल्टीकूडी कोलकाता से पूछताछ पर मशीन सुमन राय निवासी कोलकता से कम पेसो में खरीदकर गुवाहाटी असम में किराए से चलाने दी है। जिसे असम से बरामद कर मुख्य आरोपी सुमन राय पिता सुशील राय निवासी राम कालोनी थाना उत्तरपाड़ा कोलकाता को तलाश कर पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने बताया की उपरोक्त मशीन भोपाल जाकर कार्यस्थल से आर्थिक तंगी और काम न मिलने के कारण मोका पाकर चोरी कर लाया था। जो उसने एक लाख 45 हजार में संदीप शाह को बेच दी थी। प्रकरण में दोनों आरोपी के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही की जाकर 4 लाख 15 हजार कीमती मशरुका बरामद किये जाने में सफलता अर्जित की गई। उक्त कार्यवाही में निरी जहीर खान,उनि.मिथलेश भारद्वाज , प्र आर राजेश शर्मा , प्र आर अनिल सिंह थाना जीआरपी भोपाल एवं जीआरपी कंट्रोल रूम भोपाल से आर तरुण सिंह की सराहनीय भूमिका रही है ।

स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं वैज्ञानिक आधार पर विकसित करने एनएचएम एवं एम्स के बीच हुआ एमओयू

भोपाल, नप्र। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम 'टुगेदर फॉर हेल्थः स्टैंड विथ साइंस' के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं वैज्ञानिक आधार पर विकसित करने की दिशा में मिन्टो हॉल, भोपाल में अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री अशोक बर्णवाल तथा कार्यकारी निदेशक, एम्स भोपाल प्रो डॉ. माधवानंदकर के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के अंतर्गत एम्स भोपाल के विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग (एनसीडी), सिकल सेल, रेयर डिजीज, कैंसर एवं एनीमिया जैसे प्रमुख स्वास्थ्य क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उपचार के लिये प्रोटोकॉल एवं स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किए जाएंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही, इस समझौते के माध्यम से अत्याधुनिक तृतीयक (टर्शरी) चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों को भी एम्स भोपाल के सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य आयुक्त श्री धनराजू एस, मिशन संचालक (एनएचएम) डॉ. सलोनी सिडाना सहित अतिरिक्त मिशन संचालक, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर संभाग के समस्त मेडिकल कॉलेजों के डीन, क्षेत्रीय संचालक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र)से प्रकाशित। **संपादक**- आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136